टीएनएफ टुडे

TNF TODAY

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday   tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का जज्बा... (पेज-3)

पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-45 | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 14.08.2026

40 साल बाद खुला चंबल के उसैत घाट का रास्ता

यूपी के वन विभाग ने दी एनओसी, निर्माण कार्य पकड़ेगा गति

अनिल गुप्ता जरार

पिनाहट (आगरा)। चंबल नदी के उसैत घाट पर पिछले 40 साल से अटका बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण अब गति पकड़ेगा। उत्तर प्रदेश वन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही इस परियोजना की सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। घपलों में उलझा था पुल। इसकी आधारशिला साल 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने रखी थी।

योजना के तहत केंद्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार को मिलकर इसे बनाना था। मगर यह परियोजना आधिकारिक रिकॉर्ड के 'घोषणा सेक्शन' में दर्ज न होने के कारण कागजी भंवर में फंस गई। सूत्रों के अनुसार, उस दौरान इस कार्यक्रम और पुल के लिए आवंटित बजट को 'दस्यु उन्मूलन' (डाकुओं के खात्मे) अभियान में डाइवर्ट कर दिया गया था। जिससे 2017 तक काम ठप रहा। एमपी ने बनाया आधा पुल, यूपी में अड़ा था वन विभाग।

साल 2017 में मध्य प्रदेश सरकार ने इच्छाशक्ति दिखाते हुए बीड़ा उठाया और अपनी सीमा में पुल का निर्माण पूरा कर दिया। लेकिन जैसे ही काम उत्तर प्रदेश की सीमा में पहुंचा, वन विभाग के कड़े नियमों के कारण एप्रोच रोड का काम रुक गया। सालों तक आधा बना पुल सरकारी उदासीनता की कहानी बयां करता रहा। उच्च स्तरीय समन्वय से मिली राहत। गतिरोध तोड़ने के लिए मुख्य अभियंता (भोपाल) ने आगरा के जिलाधिकारी से संपर्क साधा। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी और वन क्षेत्राधिकारी के बीच हुई मैराथन वार्ता के बाद आखिरकार वन विभाग ने लंबे समय से लंबित एनओसी को मंजूरी दे दी। जल्द शुरू होगा आवागमन। इस एनओसी के मिलने से उत्तर प्रदेश की सीमा में भी पहुंच मार्ग का निर्माण तेजी से पूरा किया जा सकेगा। इससे आगरा और मध्य प्रदेश के बीच की दूरी बेहद कम हो जाएगी। स्थानीय व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को इससे भारी बढ़ावा मिलेगा।

'पागल' करने की कसम और लोकतंत्र का 'मानसिक संतुलन'

भारतीय लोकतंत्र के भव्य मंच पर इन दिनों मयार्दाओं का ऐसा 'अंतिम संस्कार' चल रहा है, जिसे देखकर विधाता भी सिर पकड़कर बैठ गए होंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह ताजा और क्रांतिकारी दावा कि ₹हम उन्हें पागल कर देंगे, नरेंद्र मोदी रात को सो नहीं पा रहे हैं₹,

अनाम

राजनीति के उस नए और 'उन्नत' अध्याय की घोषणा करता है जहाँ भाषाई संयम को पुरानी सदी की बेवकूफी मान लिया गया है।संसद से लेकर जंतर-मंतर तक के मंचों पर जब प्रतिपक्ष के शीर्ष नेता और मासूम सी दिखने वाली 'नन्ही जानें' देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे प्रधानमंत्री के लिए अमर्यादित शब्दावली का इस्तेमाल करती हैं, तो ऐसा लगता है कि देश में नीति और नैतिकता का अकाल पड़ चुका है। सरकार बनाना, चलाना या उसका विरोध करना गठबंधन और गुणा-भाग की मजबूरी हो सकता है, लेकिन विरोध की इस अंधी दौड़ में देश की राजनीतिक भाषा को 'सड़क छाप' बना देना कौन सी मजबूरी है?जब देश की नई पीढ़ी टीवी और सोशल मीडिया पर अपने नेताओं को इस स्तर पर उतरकर बहस करते देखती है, तो वह क्या सोचती होगी? क्या वह यह सीख रही है कि देश के सबसे बड़े नेताओं और जनप्रतितिनिधियों का काम जनहित के मुद्दों पर विमर्श करना नहीं, बल्कि एक-दूसरे को 'पागल' करने की रणनीतियाँ बनाना है? हमारे महापुरुषों ने जिस स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना की थी, उसमें वैचारिक मतभेदों के बीच भी एक-दूसरे के प्रति गहरा सम्मान निहित था। आज उस सम्मान को सत्ता की हवस में इस कदर कुचल दिया गया है, जिसके घाव को भरने में शायद कई जन्म भी कम पड़ जाएंगे।यह स्थिति मात्र राजनीतिक छींटाकशी नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। यदि आज प्रतिपक्ष के शीर्ष पदों से ऐसी भाषा को वैधता मिलती रही, तो कल समाज के हर चौराहे पर गाली-गलौज ही विमर्श का एकमात्र साधन बन जाएगी। नेताओं को यह याद रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव और उसकी संप्रभुता का प्रतीक होता है। राजनीति के इस गिरते स्तर पर यदि अब भी लगाम नहीं कसी गई, तो वह दिन दूर नहीं जब लोकतंत्र का यह सुंदर महल केवल भाषाई अराजकता का अखाड़ा बनकर रह जाएगा। समय रहते चेतिए, कहीं दूसरों को 'पागल' करने के चक्कर में पूरा लोकतंत्र ही अपना संतुलन न खो बैठे!

अरतौनी अंडरपास को मिली मंजूरी

सांसद राजकुमार चाहर ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फतेहपुर सीकरी से भाजपा सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क एवं राजमार्ग परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

सांसद राजकुमार चाहर ने बताया कि आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे समय से प्रस्तावित अरतौनी अंडरपास को मंजूरी मिल गई है। इस अंडरपास के निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। सांसद ने आगरा-जगनेर-तांतपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का मुद्दा भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि

आगरा-जगनेर-तांतपुर एनएच परियोजना पर सकारात्मक चर्चा

चंदौसी-आगरा-तांतपुर कोर्ट मार्ग, जिसे क्षेत्र में सी.ए.टी. मार्ग के नाम से जाना जाता है, आगरा जनपद की जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग के चंदौसी से आगरा तक के हिस्से को पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है तथा उसका निर्माण भी पूर्ण हो चुका है लेकिन आगरा से तांतपुरझ्रकोर्ट तक का हिस्सा अभी तक राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि आगरा-तांतपुरझ्रकोर्ट मार्ग के शेष भाग को भी राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाए, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके और विकास को नई गति प्राप्त हो।

कारोबार बंद राहुल गांधी का मोदी-शाह एवं आरएसएस पर हमला

'हम इनको पागल कर देंगे'

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्र परेशान हैं, अपनी बात रखना चाहते हैं और सरकार उन्हें ऐसा करने से रोक रही है। राहुल गांधी के मुताबिक, सरकार 'व्यवस्था' बनाए रखने के नाम पर लोगों की आवाज दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि उनका काम इसके उलट है और वे चाहते हैं कि भारत के लोग खुलकर अपनी बात रख सकें। राहुल ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार से डरना नहीं, बल्कि लगातार सवाल पूछना और अपनी आवाज मजबूती से उठाना है।

'हम इनको पागल कर देंगे'

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस का काम बेहद सरल है और पार्टी सरकार को लगातार घेरती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के सामने कई चुनौतियां हैं और इन्हीं वजहों से सरकार परेशान है। उन्होंने अमित

शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता पक्ष को अब देश की बदलती राजनीतिक अभिव्यक्ति का एहसास हो रहा है। राहुल ने अपने भाषण में सत्ता के खिलाफ मुखर होकर बोलने की जरूरत पर जोर दिया।

कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "इनको हम पागल कर देंगे... आजकल नरेंद्र मोदी रात में सोते नहीं हैं। इसके कई कारण हैं- कुछ obvious हैं, कुछ hidden। अमित शाह को चाणक्य और न जाने क्या-क्या कहा जाता था, लेकिन वो गायब हो गए, वो भाग गए और 20 दिन तक संसद में नहीं आ पाए। अब इस सरकार को समझ आ गया है कि ये देश अपने आपको express करने से नहीं रोकेगा।"

'चार साल पहले बेटी की हत्या, अब मां की आवाज भी दबाई जा रही'

राहुल गांधी ने एक ऐसी महिला का भी जिक्र किया, जो उनसे मिलने आई थी. उन्होंने बताया कि महिला की बेटी के साथ चार साल पहले उत्तराखंड में दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी. राहुल गांधी ने कहा कि वह महिला रो रही थी और अपनी बेटी के लिए न्याय की बात रखना चाहती थी, लेकिन व्यवस्था उसे भी अपनी आवाज उठाने से रोकती है. उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्रों का मामला भी इसी से जुड़ा है, जहां वे अपने दर्द और मांगों को सामने रखना चाहते हैं.

आरएसएस और बड़े कारोबार पर गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने फ्रर को लेकर भी कई आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि बड़े कारोबारी समूहों ने संघ के प्रभाव को बदल दिया है। राहुल ने आरोप लगाया कि फ्रर का इस्तेमाल बड़े पूंजीगत हितों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले संघ से छोटे कारोबारी और विभिन्न स्थानीय व्यवसायों से जुड़े लोग जुड़े थे, लेकिन नोटबंदी और जीएसटी जैसी नीतियों से इन वर्गों को नुकसान पहुंचा। हालांकि, ये राहुल गांधी के राजनीतिक आरोप हैं, जिन पर संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है।

'अभिव्यक्ति को दबाना नहीं है'

कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकतंत्र में किसी की अभिव्यक्ति को दबाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसका राजनीतिक और वैचारिक तरीके से जवाब दिया जा सकता है, लेकिन बोलने के अधिकार को खत्म नहीं किया जाना चाहिए।

मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी तंज

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले लगता था कि प्रधानमंत्री का मीडिया से सीमित संवाद कोई रणनीति है, लेकिन बाद में उनके साथ बैठक के अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने इस पर तंज कसा। अपने भाषण में राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बिना डरे अपनी बात रखने और सरकार से लगातार सवाल पूछते रहने का आह्वान किया।

हमले के बाद पीएम मोदी ने सुखबीर बादल का जाना हाल

मुंबई। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुए हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जानकारी ली है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सुखबीर सिंह बादल की पत्नी हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बातचीत के दौरान उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से घटना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पुलिस को हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने और मामले की गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं। महाराष्ट्र के गृह मंत्री योगेश कदम ने गुरुवार को बताया कि नांदेड़ में सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले के संबंध में उन्होंने महानिरीक्षक (आईजी) से बात की है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूरी घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और आरोपी पिछले दो वर्षों से गुरुद्वारे में स्वयंसेवक के रूप में काम कर रहा था। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी ने धारदार हथियार से हमला किया और हमले को रोकने की कोशिश में एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस घटना का गंभीर संज्ञान लिया है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने सुखबीर सिंह बादल की पत्नी एवं सांसद हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने सुखबीर सिंह बादल के स्वास्थ्य की आत्मीयता से जानकारी ली और उनके जल्द से जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

45 लाख की 310 पेटी अवैध शराब बरामद

आगरा के खंदौली में अवैध शराब की बड़ी खेप का भंडाफोड़

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में काउंटर इंटेलिजेंस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना खंदौली क्षेत्र में टीम ने घेराबंदी कर शराब से लदे एक ट्रक को पकड़ा। तलाशी के दौरान ट्रक से हरियाणा-पंजाब मार्का अवैध शराब की 310 पेटियां बरामद हुईं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई जा रही है।

कार्रवाई के दौरान राजस्थान निवासी मनीष कुमार को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अवैध शराब की यह खेप दूसरे राज्य से तस्करी के जरिए लाई गई थी और इसे बिहार के समस्तीपुर पहुंचाया जाना था। पुलिस के अनुसार, जिस ट्रक से शराब बरामद हुई है, वह मध्य प्रदेश के एक व्यक्ति के नाम दर्ज है। इस जानकारी के बाद जांच टीम ने तस्करी के नेटवर्क की कड़ियां खंगालना शुरू कर दिया है।

दरअसल, पूर्व में पकड़ी गई शराब की खेप के मामले में काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने तस्करी के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच शुरू की थी। इसी दौरान मिले सुरागों के आधार पर खंदौली क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई। सटीक सूचना मिलने पर टीम ने ट्रक को घेरकर रोक लिया और तलाशी के दौरान शराब की पूरी खेप बरामद कर ली। अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब की सप्लाई कहां से हुई थी, इसे आगरा तक कौन लेकर आया और समस्तीपुर में इसे किस व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था।

तस्करी के इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। काउंटर इंटेलिजेंस टीम की इस कार्रवाई से शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। फिलहाल थाना खंदौली पुलिस और संबंधित टीमें गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर तस्करी की पूरी चेन और उससे जुड़े आरोपियों तक पहुंचने में जुटी हैं।

झारखंड विधानसभा घेराव पर बड़ा एक्शनः 100 नामजद व 500 अज्ञात पर एफआईआर

रांची। झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल करीब 100 लोगों को नामजद करते हुए 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देशव्यापी प्रदर्शन का एलान कर दिया है।

बताया गया कि विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प भी हुई। घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू करते हुए वीडियो फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रदर्शनकारियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और उपद्रव समेत अन्य आरोपों को शामिल किया गया है।

निर्माणाधीन टनल में भूस्खलन से नौ की मौत, छह की तलाश जारी

एजेंसी, नई दिल्ली।

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की निमार्णाधीन टनल में अचानक भारी मात्रा में मलबा और पानी आने से वहां काम कर रहे मजदूर अंदर ही फंस गए थे। इसमें करीब नौ मजदूरों की मौत हो गई। कई मजदूरों की तलाश अब भी जारी है।

पानी और मलबे से भर गई आधी टनल

बताया जा रहा है कि टनल में गले तक पानी और मलबा भर गया है। रात करीब दस बजे एनडीआरएफ की टीमें तीन वाहनों से टनल में घुसी। नीले रंग के ड्रम भी टनल में ले जाए गए हैं। बताया जा रहा है कि पानी में इन ड्रमों के सहारे आगे बढ़कर जवान रेस्क्यू अभियान करेंगे। देर रात तक घायलों का रेस्क्यू अभियान जारी था। पीपलकोटी में टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की निमार्णाधीन सुरंग में मलबा और पानी घुसने के बाद बचाव अभियान चल रहा है। ठ्रऊ्रऋकी टीम के कमांडर अमृत लाल मीणा ने बताया कि जब हमारी टीम पहुंची और ऑपरेशन शुरू किया, तो सुरंग में बहुत पानी भरा हुआ था और किनारों से भी पानी रिस रहा था। तब से पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। हमारे जवान खास उपकरण पहनकर अब तक पानी से चार शव निकाल चुके हैं और ऑपरेशन अभी भी जारी है... यह ऑपरेशन तब तक चलता रहेगा जब तक सभी को बाहर नहीं निकाल लिया जाता।

आगरा में 3.63 करोड़ की अवैध दवाएं जब्त

टीएनएफ टुडे, आगरा/लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में नकली और अवैध दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। आगरा समेत प्रदेश के कई जिलों में दवाओं की संदिग्ध खरीद-बिक्री और कागजी लेनदेन की जांच तेज कर दी गई है। आगरा में अब तक 3.63 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अवैध और नकली दवाएं जब्त की जा चुकी हैं। लखनऊ में जांच के दौरान नकली दवाओं के एक संगठित नेटवर्क से जुड़े गंभीर वित्तीय और दस्तावेजी फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं।

एफएसडीए की जांच में आरोप है कि कुछ दवा फर्मों ने वास्तविक रूप से दवाओं की आपूर्ति किए बिना ही करोड़ों रुपये की खरीद-बिक्री और क्रॉस-बिलिंग कागजों पर दिखाई। जांच के घेरे में लखनऊ की हेल्थ

यूपी में नकली दवाओं के नेटवर्क पर कसा शिकंजा

प्लस, एमके फार्मा, राम फार्मा और पैशन्ट केयर सर्जिकल हाउस जैसी फर्में हैं। इन पर जांच में करीब 8.87 करोड़ रुपये की दवाओं की खरीद कागजों में दिखाए जाने का आरोप है। इनमें से बड़ी मात्रा में दवाओं की वास्तविक आपूर्ति और उपलब्धता का हिसाब नहीं मिलने से संदेह और गहरा गया है।

जांच के दौरान Zoryl M1 टैबलेट की करीब 39.20 लाख गोलियों का हिसाब नहीं मिलने का दावा किया गया है। इसके अलावा Augmentin और Dexorange Syrup की संदिग्ध खरीद भी सामने आई है। एफएसडीए की पड़ताल में संबंधित दवा निमार्ताओं से भी जानकारी ली गई। आरोप है कि निमार्ताओं ने इन दवाओं की संबंधित फर्मों को बिक्री किए जाने

से इनकार किया। ऐसे में जांच एजेंसियों को आशंका है कि दवाओं की खरीद-बिक्री का बड़ा हिस्सा केवल दस्तावेजों में दिखाकर फर्जी बिलिंग और कागजी लेनदेन किया गया।जांच में एक बंद फर्म के जरिए कथित तौर पर फर्जी खरीद और कागजी लेनदेन किए जाने की बात सामने आई है। लखनऊ के अमीनाबाद थाने में चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोपियों से जुड़े कारोबारी नेटवर्क, दवा सप्लाई चैन और बैंकिंग लेनदेन की पड़ताल हो सकती है। आगरा में एफएसडीए की कार्रवाई के दौरान अब तक 3.63 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अवैध और नकली दवाएं जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। विभाग की कार्रवाई से दवा कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। संदिग्ध दवाओं के नमूने लेकर उनकी जांच कराई जा रही है और संबंधित फर्मों के दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है। एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय नकली दवा नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को दवा की खरीद, सप्लाई, बिलिंग और स्टॉक का मिलान करने के साथ संदिग्ध फर्मों की गतिविधियों पर नजर रखने को कहा गया है। विभाग की ओर से यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जांच में दोषी पाए जाने वाले कारोबारियों के दवा लाइसेंस निरस्त करने के साथ आपराधिक कार्रवाई की जाए। अब पूरे सप्लाई नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की जांच की जाएगी।

यूपीः विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सीएम योगी आज निकालेंगे मौन पदयात्रा

एजेंसी, लखनऊ।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विभाजन की त्रासदी को याद करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मौन पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार (14 अगस्त) को लखनऊ में जीपीओ स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा से लोक भवन तक प्रस्तावित पदयात्रा उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का माध्यम बनेगी, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपार पीड़ा झेली।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, लोकभवन प्रेक्षाग्रह में विभाजन विभीषिका से प्रभावित विस्थापित परिवारों के सदस्यों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही विभाजन की त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी, लाइव पेंटिंग और लघु फिल्म के माध्यम से उस दौर की पीड़ा और संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान

सीएम योगी भी संबोधित करेंगे।

इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल, महापौर लखनऊ सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र कुमा सिंह, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य इंजी. अवनीश कुमार सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, विधायक सरोजनी नगर डॉ. राजेश्वर सिंह, विधायक लखनऊ उत्तर डॉ. नीरज बोरा, विधायक मलिहाबाद जयदेवी, विधायक बख्शी का तालाब योगेश शुक्ला, बंगाली समाज समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

राष्ट्र अधिकार मोर्चा के जिला मंत्री विशाल शर्मा का भव्य स्वागत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

संजय प्लेस स्थित ₹स्पीड कलर लैब₹ में राष्ट्र अधिकार मोर्चा के नवनियुक्त जिला मंत्री (आगरा) पं० विशाल शर्मा का युवाओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। बुधवार (12 अगस्त 2026) को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे युवाओं ने विशाल शर्मा को माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

संगठन और युवाओं की समस्याओं पर जोर

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए पं० विशाल शर्मा ने युवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक उद्देश्य संगठन को धरातल पर मजबूत करना है।

उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि राष्ट्र अधिकार मोर्चा युवाओं की आने वाली सभी समस्याओं के त्वरित निराकरण करने के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा और उनके हक की लड़ाई लड़ेगा।

प्रमुख रूप से मौजूद युवा

इस भव्य स्वागत समारोह में मुख्य रूप से सोहेलिया विक्रम, देव, आकाश, कमल किशोर, देशराज गुर्जर, रोहित चौधरी, अंकित शर्मा, ओमवीर, नकुल, आकाश बघेल, असरार हुसैन, विष्णु बेनाली सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और संगठन को गति देने का संकल्प लिया।

कांग्रेस ने संगठन सृजन पर किया मंथन

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

आगामी विधानसभा स्तरीय संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत भरतपुर सांसद संजना जाटव के खेरागढ़ आगमन से पहले जिला अध्यक्ष रामनाथ सिकरवार की अध्यक्षता में कब स्थित एक विद्यालय में कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक हुई। इसमें स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने संगठनात्मक विषयों एवं कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत एवं प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यकताओं ने सांसद संजना जाटव के प्रस्तावित एकल कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानों ने मांगी एमएसपी की कानूनी गारंटी

मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम उपजिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, किरावली।

भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ एवं अगस्त क्रांति के अवसर पर किसानों, मजदूरों और आम जनता की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन, टिकैत के अर्जुन सिंह छोंकर के नेतृत्व में जनपद आगरा की ओर से राष्ट्रपति के नाम उपजिलाधिकारी किरावली अभिनव पाठक को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम की शुरूआत अछनेरा चौधरी चरणसिंह प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। ज्ञापन में केंद्र सरकार से किसानों और श्रमिकों की समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में सभी फसलों पर सी2 लागत में 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही किसानों एवं दिहाड़ी मजदूरों की बढ़ती कर्जदारी को समाप्त करने के लिए व्यापक कर्जमाफी तथा किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की गई।

किसान नेताओं ने चारों श्रम संहिताओं को रद्द करने, श्रमिकों के लिए 42 हजार रुपये प्रतिमाह न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने, मनरेगा में कम से कम 200 दिन रोजगार और 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने की मांग की। खाद-बीज की कमी व कालाबाजारी रोकने, किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने तथा डीजल-पेट्रोल की कीमतों पर नियंत्रण की भी मांग रखी गई। इसके अलावा एफसीआई को मजबूत करने, बिजली के निजीकरण पर रोक, किसानों के लिए प्रभावी फसल एवं पशुधन बीमा योजना लागू करने, हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने और 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को 10 हजार रुपये प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने की मांग की गई।

ज्ञापन में बाढ़ और सूखे से प्रभावित किसानों को समय से पर्याप्त राहत उपलब्ध कराने तथा कृषि अनुसंधान एवं ग्रामीण शिक्षा के लिए बजट बढ़ाने की मांग भी शामिल रही।साथ ही किसानों ने चेतावनी दी कि स्थानीय समस्या ओं का एक सप्ताह में समाधान नही किया गया तो धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। इस संबंध में उपजिलाधिकारी किरावली अभिनव पाठक ने बताया कि राष्ट्रपति जी के लिए ज्ञापन दिया गया है। उसे भेज दिया जायेगा।

जो क्षेत्रीय समस्या हैं, उनके लिए तहसीलदार किरावली को कह दिया है। इस दौरान मुख्य रूप से अर्जुन सिंह छोंकर, सत्य वीर सिंह चाहर, चौधरी करतार सिंह, दीपक नरवार, सुशील पहलवान, विक्रम राजपूत, विहारी प्रधान, राजेन्द्र प्रधान, सतवीर चौधरी आदि शामिल रहे।

खेरागढ़ नगर में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

स्वतंत्रता दिवस से पहले गुरुवार को खेरागढ़ में देशभक्ति का जोश देखने को मिला। हाथों में तिरंगा लिए हजारों लोगों की मौजूदगी में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों की धुन, भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा के आयोजक खेरागढ़ चेयरमैन सुधीर गर्ग गुड्डू रहे। यात्रा का शुभारंभ देवी मंदिर से हुआ। यहां से यात्रा मुख्य चौराहा, ऊंटगिर चौराहा, सब्जी मंडी, जिला परिषद मार्केट होते हुए सैंया तिराहे पर पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के मार्ग में कस्बेवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। यात्रा के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया रहे। विधायक भगवान सिंह कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम रावत, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार कुशवाह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष मेघराज सोलंकी, ब्रज क्षेत्र किसान मोर्चा मंत्री अशोक त्यागी, मंडल अध्यक्ष कपिल जिंदल, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश गर्ग, सभासद हिरदेश अग्रवाल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। एनसीसी कैडेट और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं समेत हजारों लोगों ने यात्रा में सहभागिता की। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। ऐसी यात्राएं लोगों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत करती हैं। खेरागढ़ में उमड़ा जनसैलाब देश के प्रति लोगों के सम्मान और समर्पण को दशार्ता है। चेयरमैन सुधीर गर्ग गुड्डू ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य खेरागढ़वासियों को एक सूत्र में जोड़ते हुए राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। स्वतंत्रता दिवस हम सभी के लिए गौरव का पर्व है और तिरंगे के सम्मान में पूरा खेरागढ़ एकजुट होकर खड़ा है। यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जगह-जगह हुआ स्वागत और तिरंगों से सजीं कस्बे की सड़कें स्वतंत्रता दिवस से पहले खेरागढ़ में देशभक्ति की भव्य तस्वीर पेश करती नजर आईं।

कचौरा से भैंस और पड्डा खोल ले गए चोर

अछनेरा। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचौरा में बुधवार देर रात अज्ञात चोर घर के बाहर बंधी एक भैंस और पड्डा खोलकर ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। पीड़ित गुड्डू पुत्र फौरन ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित सहित ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों के अनुसार घटनास्थल के पास वाहन के पहियों के निशान भी मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोर पशुओं को किसी वाहन में लादकर ले गए। घटना के बाद गांव में पशु चोरी को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरों का पता लगाकर पशुओं को बरामद करने तथा रात के समय क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

फतेहाबाद से सपा के टिकट पर दिखी दावेदारी

- पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से की गई मुलाकातें
- निषाद समाज का जनाधार बताकर मांगी उम्मीदवारी

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

2027 विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में टिकट की दावेदारी शुरू हो गई है। सपा के प्रदेश सचिव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ शैलेंद्र राजपूत ने 93 फतेहाबाद विधानसभा सीट से पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी बनाए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर दावेदारी पेश की।

शैलेंद्र राजपूत ने कहा कि फतेहाबाद विधानसभा सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां निषाद समाज का सम्मानजनक और निर्णायक जनाधार है। इस समाज ने समय-समय पर इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है और सपा विचारधारा के प्रति विश्वास जताया है। आज भी निषाद समाज, पिछड़ा वर्ग, किसान, युवा और गरीब वर्ग को सपा से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी सामाजिक न्याय और पीडीए की भावना को मजबूत करते हुए उन्हें उम्मीदवार घोषित करती है तो यह हजारों युवाओं, निषाद समाज और कार्यकताओं के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने वादा किया कि वे पूरी निष्ठा और संगठन की ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे और फतेहाबाद को सपा की झोली में डालेंगे। शैलेंद्र राजपूत ने बताया उनका यह अनुरोध केवल एक कार्यकर्ता का सम्मान नहीं होगा, बल्कि फतेहाबाद में पार्टी संगठन को मजबूत करने और 2027 में ऐतिहासिक विजय का मार्ग प्रशस्त करेगा।

125 वोट पाकर रवीना जादौन बनी सुपर हेड गर्ल

फतेहाबाद। कस्बा स्थित डीएलएमएस कन्या इंटर कॉलेज में गुरुवार को छात्र संसद का गठन किया गया। विद्यालय में नए सत्र का छात्र संसद में चुनाव हुआ। जिसमें विद्यालय की सभी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्र-छात्राओं ने हेड गर्ल व असिस्टेंट हेड गर्ल के लिए नामांकन भरे गए। छात्र संसद चुनाव में करीब 1800 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्र संसद के चुनाव अधिकारी अविचल शर्मा के द्वारा फॉर्म की जांच की गई और वोटिंग प्रक्रिया शुरू कराई गई। जिसमें सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाली छात्राओं में प्रथम स्थान पर रवीना जादौन को 125 वोट सुपर हेड गर्ल, द्वितीय लवली कुशवाह को 100, तृतीय देविका शर्मा को 82, चतुर्थ रागिनी शर्मा को 80 वोट मिलने पर कक्षा 12 वीं की हेड गर्ल चुना गया। वहीं असिस्टेंट हेड गर्ल राधिका शर्मा 11वीं, इच्छा गुप्ता 10 वीं, सुप्रिया 9 वीं, अनुष्का को चुना गया। छात्रों में कैप्टन रोहित चौहान और वाइस कैप्टन पंकज को चुना गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ चंद्रपाल प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय ने में छात्र-छात्राओं की बैज और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए और अपने कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के महाप्रबंधक नरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि हमारा लक्ष्य सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। छात्र संसद के माध्यम से विद्यार्थी अनुशासन, निर्णय लेने की क्षमता और टीम वर्क सीखते हैं। इस अवसर पर ओमवीर वर्मा प्रबंधक, अविचल शर्मा, घनश्याम धाकरे,वासुदेव वर्मा, रुचि शल्या, पुष्पा गुप्ता, चंद्रमोहन सहित आदि रहे।

शांति निकेतन स्कूल में रोपे गए पौधे

पिनाहट। हर घर पेड़, घर-घर पेड़ अभियान के तहत शांति निकेतन पब्लिक स्कूल, पिनाहट में बुधवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय में पढ़ने वाले विभिन्न गांवों के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए।इस दौरान नीम, अमरूद, आंवला, शहतूत, अर्जुन, पायर, बेला, गुलाब, कनेर, जामुन आदि के पौधे लगाए गए। विद्यालय के प्रबंधक रनवीर सिंह भदौरिया ने पर्यावरण को हरा-भरा रखने के उद्देश्य से बच्चों को पौधे लगाने के तरीके और उनके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में हर साल हजारों पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के चेहरों पर उत्साह नजर आया। बच्चों ने अपने-अपने घरों में अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प भी लिया। विद्यालय प्रबंधन ने पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को लगातार जागरूक करने की बात कही। विश्व मां के पर श्रीकांत सोनू पाठक, अजीत शर्मा, मोहिनी बिधौलिया, लायक सिंह, विनय तोमर, देवेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अंशिका, शिखा व आरती सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बाइक कैंटर से टकराई, युवक घायल

पिनाहट। थाना पिनाहट क्षेत्र के क्योंरी गांव के पास ससुराल से लौट रहे युवक की मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े कैंटर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल को सीएचसी पिनाहट में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे आगरा रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार फतेहाबाद क्षेत्र के मीठापुरा निवासी दौजी राम (20) पुत्र श्रीराम अपनी ससुराल नदगवां से मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। क्योंरी गांव के पास सड़क किनारे एक कैंटर खड़ा हुआ था। इसी दौरान युवक की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर कैंटर से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर में दौजी राम गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को सीएचसी पिनाहट पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए आगरा रेफर कर दिया। हादसे के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है।

अखंड भारत के बिना अधूरी है सांस्कृतिक चेतनाः राकेश त्यागी

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले बटेश्वर धाम जिला के बमरौली कटारा में गुरुवार को अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विहिप के प्रांत सह मंत्री राकेश त्यागी ने कहा कि भारत अनादि काल से एक अखंड राष्ट्र रहा है, लेकिन अतीत की गलतियों और षड्यंत्रों के कारण यह धीरे-धीरे बंटकर सिमटता चला गया। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास को भूलना नहीं चाहिए और खोए हुए भू-भागों की सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक समाज अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों से पूरी तरह नहीं जुड़ेगा, तब तक अखंड भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक, संगठित और तत्पर रहने की आवश्यकता है। राष्ट्र रक्षा का लिया गया संकल्प समारोह के दौरान वक्ताओं ने 14 अगस्त 1947 को हुए भारत विभाजन के दर्द को याद करते हुए युवाओं से राष्ट्र की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर देश को पुनः अखंड और परम वैभवशाली बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा, जिला मंत्री पार्थ राणा सहित आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवी दीपचंद वर्मा के निधन पर शोक

पिनाहट। गांव सूखाताल निवासी एवं समाजसेवी दीपचंद वर्मा का 10 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र और समाज में शोक की लहर दौड़ गई। शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी है।दीपचंद वर्मा शिक्षा के क्षेत्र से लंबे समय तक जुड़े रहे। वह प्रधानाध्यापक (शिक्षक) के पद पर कार्यरत रहे तथा शिक्षक संघ के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष और पूर्व जिला उपाध्यक्ष भी रहे। इसके अलावा वह निषाद पार्टी आगरा के जिला अध्यक्ष भी रहे हैं ।समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय दीपचंद वर्मा को सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने और समाज के लोगों के हितों की आवाज उठाने के लिए जाना जाता था। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समाज के विकास को लेकर लगातार कार्य किया।वह लोधी राजपूत महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश प्रताप सिंह के पिता तथा समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव देवेंद्र राजपूत के बाबा थे। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर ने पकड़ी रफ्तार

कैंट और सदर स्टेशन पर फिनिशिंग का काम शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे कॉरिडोर के निर्माण कार्य ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने आगरा कैंट से आगरा कॉलेज तक के प्राथमिक सेक्शन में पाइलिंग फाउंडेशन का कार्य पूरा कर लिया है। इस सेक्शन में अब तक निर्धारित 1988 पाइल का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही दूसरे कॉरिडोर के निर्माण की गति और तेज हो गई है।

आगरा कैंट से कालिंदी विहार के बीच करीब 16 किलोमीटर लंबे दूसरे कॉरिडोर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। यूपी मेट्रो के मुताबिक इस पूरे कॉरिडोर में कुल 4096 पाइल, 762 पाइलकैप और 762 पियर का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें से अब तक 3335 पाइल, 530 पाइलकैप और 481 पियर का निर्माण पूरा किया जा चुका है। निर्माण कार्य में लगातार हो रही प्रगति से आने वाले समय में इस कॉरिडोर के विभिन्न हिस्सों में मेट्रो के ढांचे को आकार मिलता दिखाई देगा।

पियरकैप और यू-गर्डर की कास्टिंग भी जारी

सिविल निर्माण के साथ-साथ मेट्रो के एलिवेटेड ट्रैक के लिए आवश्यक संरचनात्मक हिस्सों की कास्टिंग का काम भी तेजी से चल रहा है। अब तक करीब 285 पियरकैप और 205 यू-गर्डर का निर्माण किया जा चुका है। इन संरचनात्मक हिस्सों की कास्टिंग के लिए डौकी स्थित कास्टिंग यार्ड में लगातार काम किया जा रहा है। यहां पियरकैप, यू-गर्डर सहित अन्य प्री-कास्ट संरचनाओं को तैयार किया जा रहा है, जिन्हें निर्माण स्थल पर पहुंचाकर निर्धारित स्थानों पर लगाया जा रहा है।

कैंट और सदर मैट्रो स्टेशन पर फिनिशिंग शुरू

दूसरे कॉरिडोर में केवल पिलर और ट्रैक निर्माण ही नहीं, बल्कि स्टेशनों पर भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। आगरा कैंट और सदर मेट्रो स्टेशन पर फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। दोनों स्टेशनों पर पत्थर लगाने का काम प्रारंभ हो चुका है। यूपी मेट्रो के अनुसार सिविल निर्माण के साथ-साथ स्टेशनों पर अन्य कार्यों को भी चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। जल्द ही यहां सिस्टम्स से जुड़े कार्य भी शुरू किए जाएंगे। इससे स्टेशन निर्माण का काम अगले चरण में पहुंच जाएगा।

29.4 किलोमीटर के दो कॉरिडोर, 27 स्टेशन

मैट्रो रेल परियोजना के तहत कुल 29.4 किलोमीटर लंबे दो कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। दोनों कॉरिडोर में कुल 27 स्टेशन प्रस्तावित हैं। पहला कॉरिडोर करीब 14 किलोमीटर लंबा है, जो ताज ईस्ट गेट से सिकंदरा के बीच बनाया जा रहा है। इस कॉरिडोर में कुल 13 स्टेशन हैं, जिनमें 6 एलिवेटेड और 7 भूमिगत स्टेशन शामिल हैं। पहले कॉरिडोर के करीब 6 किलोमीटर लंबे प्राथमिक सेक्शन में मेट्रो का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके बाद अब दूसरे कॉरिडोर के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार के बीच करीब 16 किलोमीटर लंबा है। इस पूरे सेक्शन में 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। पाइलिंग, पाइलकैप, पियर, पियरकैप और यू-गर्डर के निर्माण के साथ स्टेशनों पर फिनिशिंग का काम शुरू होना परियोजना की प्रगति को दशार्ता है।

घर-घर तिरंगा अभियान में बांटे ध्वज और पौधे

पिनाहट (आगरा)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत तहसील प्रशासन द्वारा ₹हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा₹ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पिनाहट में तिरंगा झंडों के साथ-साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में नीम, अमरूद, आंवला, शहतूत, अर्जुन, पारस, बेला, गुलाब, कनेर और आम के पौधे लोगों को दिए गए। समाजसेवी रजनीर सिंह भदौरिया ने घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा लगाने और उसे सम्मान के साथ रखने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को तिरंगे का महत्व और हर साल उसे गर्व से फहराने के बारे में बताया। इस दौरान समाजसेवी नाहर सिंह, अजीत शर्मा, महिला मोर्चा की नायब सिंह, विनय तोमर, तेज सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अशोक, शिवा, आरती सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने लोगों से अभियान को सफल बनाने और घर-घर तिरंगा लगाने की अपील की।

मेहंदी प्रतियोगिता में अनुष्का ने मारी बाजी

- संजना और कृष्णा रहीं क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर
- हरियाली तीज पर राजकीय महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिता

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

हरियाली तीज के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय सैंया, खेरागढ़ में बृहस्पतिवार को मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने पारंपरिक और आकर्षक मेहंदी डिजाइनों के जरिए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ रविंद्र कुमार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संयोजिका डॉ रेखा सुमन के संयोजन में हुआ। निर्णायक मंडल में डॉ विशाल भास्कर, डॉ अनिल कुमार गौतम और डॉ विजय आनंद गौतम शामिल रहे। निर्णायकों ने मेहंदी की डिजाइन, सृजनात्मकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनुष्का पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बीएससी तृतीय सेमेस्टर की संजना सोनी द्वितीय और बीएससी प्रथम सेमेस्टर की कृष्णा तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार बीकॉम तृतीय सेमेस्टर के अजय कुमार और बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के मानवेंद्र को दिया गया। डॉ रेखा सुमन ने कहा कि भारतीय परंपराओं से जुड़ी गतिविधियां विद्यार्थियों को संस्कृति से जोड़ने के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को भी निखारती हैं। इस दौरान डॉ. हुकुम सिंह, डॉ मनोज कुमार सहित कर्मचारी दिनेश लवानियां, ब्रजमोहन, राजा और मोनू मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का जज्बा

नगर निगम से खंदारी कैंपस तक गूंजा 'वंदे मातरम'

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। आजादी के महापर्व को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए योगी सरकार पूरे प्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में आगरा नगर निगम परिसर से लेकर खंदारी कैंपस तक एक विशाल और भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन ने पूरे शहर के वातावरण को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ राज्य के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने शहीदों के गांव से लाई गई पवित्र माटी के कलश और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद हवा में गुब्बारे छोड़े गए और रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

तिरंगा यात्रा में भारत स्काउट गाइड, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और एनसीसी कैडेट्स के साथ विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के छात्र- छात्राओं ने अपनी शानदार बैंड प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। छात्रों और आम जनता के हाथों में शान से लहराते तिरंगे और 'वंदे मातरम', 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों से एमजी रोड और दीवानी का इलाका गूंज उठा। खंदारी कैंपस पहुंचने पर तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

रैली के साथ- साथ नगर निगम परिसर में एक शानदार 'तिरंगा मेले' का भी आयोजन किया गया। इस मेले में 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी), खादी ग्रामोद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए। जनपद प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 'हर घर तिरंगा' अभियान को अभूतपूर्व जनभागीदारी का स्वरूप दिया जा रहा है। गांव- गांव, नगर-नगर और प्रत्येक परिवार तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

इस अवसर पर महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. धर्मपाल सिंह, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी मनीष बंसल, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार, नगर आयुक्त संतोष कुमार, एडीएम प्रशासन आजाद भगत सिंह, एडीएम प्रोटोकॉल अमरेंद्र कुमार, छात्र-छात्राएं सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवसः दुल्हन की तरह सज रहा आगरा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- वाटर वर्क्स से झलकारी बाई चौराहे तक पोलों पर लग रहीं तिरंगा लाइटें
- नगर निगम मुख्यालय और चारों जोन कार्यालयों पर की गई विशेष सजावट

योगी सरकार स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को ऐतिहासिक और भव्य रूप से मनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसी कड़ी में ताजनगरी को भी देशभक्ति के रंग में रंगने की विशेष तैयारियां की गई हैं। 15 अगस्त के पावन अवसर पर पूरा शहर तिरंगा रोशनी में नहाया हुआ नजर आएगा। शहर के प्रमुख तिराहों और चौराहों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, जिससे आम जनमानस में राष्ट्रप्रेम की भावना और अधिक प्रबल हो सके।

सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर के मुख्य मार्गों में से एक वाटर वर्क्स चौराहे से लेकर झलकारी बाई चौराहे तक सड़क किनारे लगे सभी पोलों पर तिरंगा लाइटें लगाई जा रही हैं।

इसके अलावा नगर निगम मुख्यालय और शहर के चारों जोन कार्यालयों को भी तिरंगा झालरों और रंग- बिरंगी आकर्षक लाइटों से सराबोर किया जा रहा है। नगर निगम की विशेष टीम दिन-रात इस सजावट के काम में जुटी हुई है, ताकि शहर का हर कोना स्वतंत्रता दिवस की गरिमा में डूबा नजर आए। मुख्य अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) अजय कुमार राम ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर शहर को भव्य रूप देने के लिए सजावट और लाइटिंग का कार्य तेजी से चल रहा है।

शहर के जिन मार्गों पर पहले से तिरंगा लाइटें लगी हुई हैं, उनका भी विशेष रूप से परीक्षण किया जा रहा है। जहां भी कोई लाइट या झालर खराब पाई जा रही है, उसे तुरंत ठीक कराया जा रहा है, ताकि 15 अगस्त की शाम को शहर में कहीं भी अंधेरा न रहे। नगर निगम का मुख्य उद्देश्य यह है कि स्वतंत्रता दिवस की शाम आगरा शहर तिरंगे के तीन रंगों में इस तरह निखरे कि हर नागरिक का दिल देशभक्ति के जज्बे और उत्साह से भर उठे। चौराहों से लेकर मुख्य मार्गों तक जगमगाती यह तिरंगा रोशनी पूरे शहर के माहौल को पूरी तरह से उत्सवमय बना देगी।

अमर शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान

आगरा। खंदारी स्थित राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित 'मां तुझे प्रणाम' कार्यक्रम में अमर शहीदों की वीरांगनाओं और उनके परिजनों का सम्मान किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल और पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस भावुक अवसर पर देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की पत्नियों और परिजनों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। शहीदों की वीरगाथाओं को याद कर पूरा सभागार भावविभोर हो उठा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि सैनिक कठिन परिस्थितियों में देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। उनके शौर्य ने सदैव देश का गौरव बढ़ाया है। वीर केवल सैनिक नहीं, बल्कि उनके परिवार भी हैं, जिनका त्याग और सहयोग जवानों की शक्ति बनता है। वीरांगनाओं ने अपने प्रियजन को खोने के बाद भी अदम्य साहस का परिचय दिया है। जिला प्रशासन सदैव शहीद परिवारों के साथ खड़ा है और उनकी सेवा करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

देशभक्ति गीतों से गूंजा कुष्ठ आश्रम

आगरा। राष्ट्र को समर्पित मानव सेवा सम्मान कार्यक्रम गुरुवार को शिल्पग्राम रोड, ताजनगरी स्थित कुष्ठ सेवा सदन में श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तिरंगे के साथ सभी ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी और देशभक्ति गीतों की स्वर लहरियों के बीच राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम में भजन कलाकार किशोर हीरानी ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुति देकर ऐसा समां बांधा कि आश्रम परिसर तालियों और भारत माता के जयघोष से गूंज उठा। आश्रम के साथियों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की, मानव सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले आश्रम के साथी परुसराम ने कार्यक्रम के आयोजन एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची राष्ट्र सेवा है। कार्यक्रम का उद्देश्य उन लोगों के बीच अपनापन और सम्मान का भाव पहुंचाना है, जिन्हें समाज के सहयोग और संवेदना की आवश्यकता है। इसी भावना के साथ आश्रम के नागरिकों को तिरंगे के सम्मान के साथ उपहार प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। सचिव मधु भारद्वाज ने कहा कि समाज में सेवा, संवेदना और अपनापन बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। राष्ट्रप्रेम केवल शब्दों तक सीमित न रहकर सेवा और सहयोग के रूप में दिखाई देना चाहिए। जरूरतमंदों के साथ समय बिताना, उनका सम्मान करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना ही मानवता की सच्ची पहचान है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि राष्ट्रहित और मानव सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें, कार्यक्रम के दौरान आश्रम के साथियों के चेहरों पर सम्मान और खुशी की झलक साफ दिखाई दी। देशभक्ति गीतों और तिरंगे की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को राष्ट्रभक्ति और मानवीय संवेदना से भर दिया। राम प्रसाद राजपूत, समाजसेवी श्याम भोजवानी, सचिव मधु भारद्वाज, चांदनी भोजवानी, हर्षिल, मुन्नालाल, त्रिलोक सिंह, सीताराम, बाबूलाल, धर्मपाल आदि मौजूद रहे।

अदालत के आदेश पर 61 लीटर अवैध शराब नष्ट

आगरा। कमिश्नरेट आगरा के नगर जोन में चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन क्लीनह्ण के तहत थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने मालखाने में रखी 15 अलग-अलग मुकदमों से संबंधित 61 लीटर अवैध शराब को न्यायालय के आदेश पर नष्ट करा दिया। पुलिस उपायुक्त नगर के निर्देशन में हुई कार्रवाई के लिए थाना पुलिस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), आगरा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की थी। न्यायालय से नष्टीकरण का आदेश प्राप्त होने के बाद गुरुवार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत शराब को नष्ट किया गया। नष्ट की गई कुल 61 लीटर अवैध शराब में 44 लीटर देशी तथा 17 लीटर अंग्रेजी शराब शामिल थी। यह शराब विभिन्न आपराधिक मामलों में बरामद होने के बाद थाना ट्रांस यमुना के मालखाने में साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखी गई थी। शराब नष्ट करने के लिए पुलिस उपायुक्त नगर की ओर से गठित टीम की निगरानी में कार्रवाई की गई। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त (छत्ता), अभियोजन अधिकारी, थानाध्यक्ष थाना ट्रांस यमुना तथा मालखाना हेडमोहर्रिर मौजूद रहे। पुलिस के अनुसार, थाना ट्रांस यमुना परिसर के सामने स्थित एडीए की खाली जमीन में गड्ढा खुदवाकर अधिकारियों की मौजूदगी में बरामद शराब को नष्ट कराया गया। कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पूरी की गई।

एबीवीपी ने निकाली 700 मीटर लंबी तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आगरा महानगर द्वारा 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला न्यू आगरा कम्युनिटी हॉल से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा न्यू आगरा मार्केट होते हुए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी हितेश लवानिया, कार्यक्रम अध्यक्ष नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स के चेयरमैन चंद्रवीर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद की क्षेत्रीय संयोजिका रीना शर्मा, मुख्य वक्ता प्रांत सहमंत्री पुनीत कुमार तथा महानगर मंत्री शिवांग खंडेलवाल उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में छात्रों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारों के साथ पूरे उत्साह से सहभागिता की। लगभग 700 मीटर लंबी तिरंगा यात्रा न्यू आगरा कम्युनिटी हॉल से प्रारंभ होकर न्यू आगरा मार्केट के विभिन्न मार्गों से होते हुए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट तक पहुंची। यात्रा के दौरान क्षेत्र के प्रमुख दुकानदारों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा जगह-जगह तिरंगा यात्रा का स्वागत किया गया। लोगों ने पुष्पवर्षा एवं राष्ट्रभक्ति के जयघोष के साथ छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि हितेश लवानिया ने कहा कि युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें और समाज एवं देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। परिषद के प्रांत सहमंत्री पुनीत कुमार ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को राष्ट्र के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम तथा देश के प्रति उनके दायित्वों से जोड़ना है। इस दौरान मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी, अभिषेक मौर्य, दीपक कश्यप, दीक्षा चौधरी, दीपक बजरंगी, सागर, प्रीति बघेल, प्रथम गोयल, नितिन दुबे, विवेक सिंह, रचित यादव, भुवनेश उपाध्याय, रॉनित परमार, अश्वनी चौधरी, आयुष कश्यप जितेंद्र चौधरी, अतिशय जैन, शिवम कोली, ललित चौधरी, आयुष यादव, आदित्य ठाकुर, मन्नू बघेल, राहुल सिंह, आशीष पांडे, अंकित चाहर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जी ब्लॉक, कमला नगर में 700 परिवारों को बांटे तिरंगा ध्वज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जी ब्लॉक सुधार समिति, कमला नगर द्वारा विशेष 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जी ब्लॉक के लगभग 700 घरों में घर-घर पहुंचकर तिरंगा वितरित किया। समिति की ओर से क्षेत्रवासियों से अपील की गई कि 15 अगस्त को अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाकर घरों को आकर्षक ढंग से सजाएं और स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाएं। अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों में देशभक्ति को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। जी ब्लॉक सुधार समिति के अध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि समिति का उद्देश्य क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय पर्वों को सामूहिक रूप से मनाने की परंपरा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को जी ब्लॉक का प्रत्येक घर तिरंगे से सजा दिखाई दे, यही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। अभियान में समिति के अध्यक्ष राजीव वर्मा, संरक्षक श्रीकृष्ण गुप्ता एवं शुभम गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ गुप्ता, महामंत्री अनुज जैन 'क्रांति', कोषाध्यक्ष मनीष चोपड़ा, उपाध्यक्ष द्रोणपाल सिंह, नरेंद्र प्रताप सिंह एवं पं. दीपक शर्मा, संयुक्त मंत्री राकेश मेहता, योगेश कुमार जैन एवं जगत कुमार गुप्ता, महिला एकता संयोजक अनुपमा सक्सेना, प्रभारी महेश शर्मा 'लाला भाई', मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा, संगठन मंत्री सुनील राठौर,, सह मंत्री प्रदीप भदौरिया, मधुर तिवारी एवं संजीव गुलाटी, कार्यकारिणी सदस्य एके शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

निर्माण में देरी पर भड़के प्रभारी मंत्री

- कहा, निर्माणकार्यों में गुणवत्ता और समय का रखें ध्यान
- निर्माणाधीन लेडी लॉयल अस्पताल भवन का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग व जनपद प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने एसएन मेडिकल कॉलेज परिसर में निमार्णाधीन लेडी लॉयल अस्पताल विस्तारीकरण फेज-1, मेडिकल कॉलेज ब्लॉक व यूजी/पीजी हॉस्टल के निमार्णाधीन भवन तथा शिल्पग्राम स्थित निमार्णाधीन यूनिटी मॉल का स्थलीय निरीक्षण किया।

गौरतलब है जनपद में चिकित्सा सुविधाओं के आधुनिकीकरण व उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु एसएन मेडिकल कॉलेज परिसर में निमार्णाधीन लेडी लॉयल अस्पताल विस्तारीकरण फेज-1, मेडिकल ब्लॉक तथा यूजी/पीजी हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है। जनपद प्रभारी मंत्री सर्वप्रथम एसएन मेडिकल कॉलेज परिसर में निमार्णाधीन लेडी लॉयल अस्पताल विस्तारीकरण फेज-1 व मेडिकल ब्लॉक के कार्यों का निरीक्षण किया, तथा ले-आउट व साइट प्लान देखा। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था तथा कॉन्ट्रैक्टर से कार्य के प्रारंभ तथा पूर्ण होने दी समय सीमा के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि मई-2027 में कार्य पूर्ण होना है। मंत्री ने निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जवाब तलब किया। मौके पर लगभग 41 प्रतिशत कार्य हुआ है। इस पर उन्होंने कार्यदायी संस्था व कॉन्ट्रैक्टर को तलब किया। लक्ष्य के सापेक्ष निर्माण कार्य में प्रगति न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। प्रभारी मंत्री ने श्रमिकों की संख्या बढ़ाने तथा अपेक्षानुरूप कार्य प्रगति कर समय सीमा में गुणवत्तायुक्त निर्माण पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल, सीएमओ डॉ अरुण कुमार श्रीवास्तव, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत गुप्ता, पीडी डीआरडीए रेणु कुमारी, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता आरके वर्मा, मनीष कुमार निर्माणदाई संस्थाओं के अभियंता आदि मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान में रेलवे भी कम नहीं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन में ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य आमजन, रेल यात्रियों एवं विशेष रूप से बच्चों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान तथा देशभक्ति की भावना को और प्रबल करना है। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, निबंध, स्लोगन एवं अन्य देशभक्ति आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पीएम केंद्रीय विद्यालय, मथुरा तथा केंद्रीय विद्यालय, ईदगाह में विद्यार्थियों द्वारा तिरंगे एवं देशभक्ति की भावना से प्रेरित आकर्षक पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियां की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व तथा स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के बलिदान से अवगत कराया जा रहा है। ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान का उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना तथा तिरंगे के साथ प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत एवं भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करना है।

'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से उन महान सेनानियों को नमन करते हुए नागरिकों में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। आगरा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर, ऑडियों सॉन्ग, डिजिटल स्क्रीन, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सेल्फी बूथ लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से रेल यात्रियों एवं आमजन को ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान से जुड़ने तथा अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्ण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव और एकता की सामूहिक अभिव्यक्ति है।

केन्द्रीय संचार ब्यूरो ने निकाली तिरंगा रैली

टीएनएफ टुडे, आगरा।

केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय आगरा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज उत्तर विजयनगर में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि डा. यादवेन्द्र शर्मा प्रोफेसर फैकल्टी इंजीनियरिंग कालेज द्वारा रैली का शुभारंभ झंडी दिखाकर किया गया। छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा के नारे लगाए।

रैली में डा बाल किशन कटारा प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज, नीरज कुमार वरिष्ठ लेखाधिकारी सीबीसी, धर्मेन्द्र कुमार प्रभारी सीबीसी, गजराज सिंह, फतेह सिंह ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

शहीदों की वीरांगनाओं को किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम, खंदारी में आयोजित ह्यमां तुझे प्रणामह्ण कार्यक्रम के वीरांगना सम्मान समारोह में जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने देश की रक्षा एवं सेवा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों की वीरांगनाओं एवं शहीद परिवारों को सम्मानित किया। शहीदों की वीरगाथाओं का स्मरण होते ही समारोह का वातावरण भावुक हो उठा और उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। शहीदों की पत्नियों/ वीरांगना तथा उनके परिवारीजनों को जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त ने अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति चिह्न प्रदान कर उनका सम्मान किया।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

व्यवस्था के भंवर में 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस'

विकास की फाइलें जब सरकारी दफ्तरों के भंवर में फंसती हैं, तो 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' वाली कहावत भी छोटी लगने लगती है। पिनाहट के उसैत घाट पर चम्बल नदी पर बनने वाला पुल इसका सबसे जीता-जागता और दुखद उदाहरण है। एक ऐसी जनहित की योजना, जिसकी आधारशिला साल 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने रखी थी, उसे हकीकत बनने में करीब चार दशक (40 साल) का समय लग गया। यह देरी किसी तकनीकी कमी के कारण नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, कागजी घपलों और विभागों के बीच आपसी तालमेल की भारी कमी की वजह से हुई।इस पूरी परियोजना की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। केंद्र और दो राज्यों (उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश) की इस संयुक्त महत्वाकांक्षी योजना की बुनियाद तो रख दी गई, लेकिन वह सरकारी रिकॉर्ड के 'घोषणा सेक्शन' में दर्ज ही नहीं हो सकी। हद तो तब हो गई जब विकास के लिए तय बजट को 'दस्यु उन्मूलन' के नाम पर डाइवर्ट कर दिया गया। साल 2017 तक फाइलों पर धूल जमती रही। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने इच्छाशक्ति दिखाई और अपने हिस्से का पुल बनाकर खड़ा कर दिया। लेकिन कहानी का सबसे निराशाजनक पहलू इसके बाद शुरू हुआ।उत्तर प्रदेश की सीमा में कदम रखते ही विकास का यह पहिया वन विभाग की 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (ठडउ) की दीवार से टकराकर रुक गया। सालों-साल मध्य प्रदेश का बना हुआ आधा पुल उत्तर प्रदेश की लालफीताशाही को चिढ़ाता रहा। एक तरफ जनता चम्बल की लहरों के बीच जान जोखिम में डालती रही, तो दूसरी तरफ विभाग कागजों का खेल खेलते रहे।राहत की बात यह है कि देर से ही सही, अब भोपाल के मुख्य अभियंता, आगरा के जिलाधिकारी, स्थानीय एसडीएम और वन क्षेत्राधिकारी के आपसी समन्वय से वन विभाग की एनओसी मिल गई है। उत्तर प्रदेश की सीमा में भी अब पुल निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। लेकिन यह घटनाक्रम इस गंभीर सवाल को पीछे छोड़ जाता है कि जो काम चंद मुलाकातों और आपसी समन्वय से कुछ दिनों में हो सकता था, उसके लिए जनता को 40 साल का इंतजार क्यों करना पड़ा? नौकरशाही को समझना होगा कि फाइलों की इस कछुआ चाल की कीमत देश और वहां की जनता को अपने विकास से चुकानी पड़ती है।

बलूचिस्तान को मान्यता देने की भारत से की माँग

रणनीतिक रूप से देखें तो बलूचिस्तान पाकिस्तान के लिए बेहद संवेदनशील भूभाग है। क्षेत्रफल के लिहाज से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध माना जाता है। बलूच नेतृत्व का दावा है कि स्वतंत्र बलूचिस्तान अपने संसाधनों के जरिये स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय सहायता के क्षेत्र में योगदान दे सकता है। यही संसाधन, भौगोलिक स्थिति और लंबे समय से जारी विद्रोह इसे पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय भू-राजनीति का भी अहम मुद्दा बनाते हैं।

भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि बलूचिस्तान का मुद्दा पाकिस्तान के उस नैरेटिव को चुनौती देता है, जिसमें वह जम्मू-कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार उठाता रहा है। बलूच नेतृत्व का भारत की मीडिया और विदेश मंत्रालय के बयानों को अपने पक्ष में उद्धृत करना पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की कोशिश है। हालांकि भारत की ओर से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता को मान्यता देने की कोई घोषणा इन स्त्रोतों में नहीं है।

बहरहाल, बलूचिस्तान में चल रहा संघर्ष अब केवल बंदूक और सुरक्षा बलों के बीच की लड़ाई नहीं रह गया है। यह इतिहास, मानवाधिकार, संसाधनों, अंतरराष्ट्रीय मान्यता और सूचना युद्ध, इन सभी मोर्चों पर लड़ी जा रही लड़ाई बनता जा रहा है। और जिस तरह बलूच नेतृत्व भारत का सार्वजनिक रूप से आभार जता रहा है, उससे साफ है कि वह इस संघर्ष को पाकिस्तान की सीमाओं से बाहर निकालकर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मैदान में ले जाना चाहता है।सोशल मीडिया इस समय ऐसे वीडियोज से भरा पड़ा है, जिनमें बलूचिस्तान के लोग अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं। 11 अगस्त को बलूचिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के तौर पर मनाए गए कार्यक्रमों के बीच बलूच अलगाववादी नेतृत्व ने अब अपने अभियान को एक नया राजनीतिक मोड़ देने की कोशिश भी की है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ह्यरिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तानह्ण को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने की अपील की है। साथ ही भारत की ओर से पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर उठाई गई आवाज की खुलकर सराहना की है।

–अनाम

मक्का समझौता: बदलता शक्ति-संतुलन और भारत की चुनौती

> "नई परिस्थितियों में भारत को यही बढ़त बनाए रखनी होगी—शोर से नहीं, शक्ति और रणनीति से। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि हम इस नए गठबंधन से उपजी नई सामरिक और आर्थिक चुनौतियां का सामना करने के लिए देश में अमन और प्रेम को बनाएं रखें, फसादी फिरकापरस्त ताकतों का समूल उन्मूलन करें ताकि भविष्य की आवश्यकताओं के मद्देनजर दूरदर्शी निर्णय लिए जा सकें।

मिर्जा जाहिद बेग

मक्का में 7 अगस्त को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ 'संयुक्त रक्षा समझौता' महज तीन देशों के बीच सैन्य सहयोग का ही दस्तावेज नहीं है बल्कि पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण और मध्य एशिया तक उभरती नई सामरिक तस्वीर का संकेत भी है। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह व्यवस्था गत वर्ष 17 सितंबर 2025 के पाकिस्तान-सऊदी स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को एक नए, त्रिपक्षीय आयाम में ले जाती है।

इस गठजोड़ की असली ताकत तीनों देशों की अलग-अलग क्षमताओं के मेल में है। सऊदी अरब के पास अपार आर्थिक संसाधन और ऊर्जा-सम्पदा है। विश्व बैंक के अनुसार 2025 में उसकी नॉमिनल जीडीपी करीब 1.28 ट्रिलियन डॉलर रही। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उसकी सैन्य क्षमता में निवेश की क्षमता। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में सऊदी अरब ने रक्षा पर लगभग 83.2 अरब डॉलर खर्च किए और वह दुनिया का आठवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा।

तुर्किये इस गठजोड़ को सैन्य तकनीक, रक्षा उद्योग और युद्ध-अनुभव देता है। 2025 में उसका सैन्य व्यय करीब 30 अरब डॉलर था। ड्रोन, मिसाइल, बख्तरबंद वाहन, नौसैनिक प्लेटफॉर्म और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तुर्किये ने उल्लेखनीय क्षमता विकसित की है। उसका मध्य एशिया में बढ़ता राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव भी इस समीकरण को केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहने देता। तुर्किये लंबे समय से तुर्क भाषी मध्य एशियाई देशों के साथ परिवहन और व्यापार गलियारों के माध्यम से अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। तीसरा और सबसे संवेदनशील स्तंभ पाकिस्तान है। पाकिस्तान की आर्थिक क्षमता सऊदी अरब और तुर्किये की तुलना में बहुत छोटी है—2025 में उसका सैन्य खर्च लगभग 11.9 अरब डॉलर था—लेकिन उसके पास परमाणु हथियार और बड़ा, युद्ध-अनुभवी सैन्य ढांचा है। स्वतंत्र विशेषज्ञ आकलन पाकिस्तान के परमाणु भंडार को लगभग 170 वारहेड मानते हैं।

यानी समीकरण मोटे तौर पर ऐसा है—सऊदी अरब-पैसा और ऊर्जा, तुर्किये-रक्षा तकनीक और सैन्य औद्योगिक क्षमता, जबकि पाकिस्तान-परमाणु क्षमता और सैनिक अनुभव। यही इस गठजोड़ को साधारण द्विपक्षीय समझौते से अलग बनाता है। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ा प्रश्न है—इसका असर कितना गंभीर है?

भारत के लिए यह समझौता कोई खास चिंताजनक नहीं है, पर इसे हल्के में लेना भी भूल होगी। पाकिस्तान के साथ भारत का संघर्ष केवल सीमित सैन्य विवाद नहीं है। आतंकवाद, सीमा-पार घुसपैठ और कश्मीर सहित अनेक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक तनाव है। ऐसे में यदि पाकिस्तान को सऊदी वित्तीय समर्थन, तुर्की की उन्नत रक्षा तकनीक और एक औपचारिक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था मिलती है तो इस्लामाबाद की सामरिक स्थिति निश्चित रूप से मजबूत हो सकती है।

विशेष चिंता इस बात की है कि तुर्किये का जुड़ना पाकिस्तान को केवल पश्चिम एशिया की राजनीतिक छतरी नहीं देता, बल्कि भूमध्यसागर, काकेशस और मध्य एशिया तक फैले एक व्यापक नेटवर्क से जोड़ता है। भविष्य में रक्षा उत्पादन, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, खुफिया साझेदारी और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ा तो इसका प्रभाव दक्षिण एशिया तक पहुंच सकता है।

फिर भी इस गठजोड़ को तत्काल 'इस्लामिक एनएटीओ' मान लेना अतिशयोक्ति होगी। समझौते में सामूहिक रक्षा की राजनीतिक प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है, लेकिन वास्तविक युद्ध की स्थिति में प्रत्येक देश किस स्तर तक सैन्य हस्तक्षेप करेगा, इसकी विस्तृत व्यावहारिक शर्तें अभी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हैं। विशेषज्ञ संस्था आईआईएसएस ने भी पाकिस्तान-सऊदी समझौते के विवरण को अस्पष्ट बताते हुए उसके व्यापक क्षेत्रीय प्रभाव की संभावना पर जोर दिया था।

भारत की रणनीति इसलिए प्रतिक्रिया-प्रधान नहीं, बल्कि बहुस्तरीय और दीर्घकालिक होनी चाहिए।

पहला, सऊदी अरब से भारत के गहरे आर्थिक और ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करना होगा। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पाकिस्तान के साथ सऊदी रणनीतिक संबंध भारत-सऊदी साझेदारी की कीमत पर न बढ़ें।

दूसरा, तुर्किये के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने चाहिए। मतभेदों के बावजूद अंकारा को पूरी तरह पाकिस्तान के खेमे में धकेल देना भारत के हित में नहीं होगा। व्यापार, निवेश और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद जारी रखना आवश्यक है।

तीसरा, मध्य एशिया में भारत को अपनी उपस्थिति कहीं अधिक मजबूत करनी होगी। कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ संपर्क, ऊर्जा, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक संबंधों को प्राथमिकता देनी होगी। चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा भारत के लिए केवल व्यापारिक परियोजनाएं नहीं, बल्कि सामरिक संपर्क के साधन भी हैं।

चौथा, भारत को अपनी रक्षा आत्मनिर्भरता और समुद्री शक्ति पर और तेजी से काम करना होगा। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य व्यय 92.1 अरब डॉलर था—सऊदी, तुर्किये और पाकिस्तान के संयुक्त खर्च से अधिक। इसलिए चुनौती संसाधनों की कमी की नहीं, बल्कि संसाधनों के अधिक प्रभावी और तकनीकी उपयोग की है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि भारत को इस नए गठजोड़ को किसी धार्मिक ध्रुवीकरण के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु से अधिक स्थायी होते हैं—राष्ट्रीय हित।

मक्का समझौता यदि नई सामरिक धुरी का आरंभ है तो भारत के लिए उसका उत्तर किसी जल्दबाजी या उत्तेजना में नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक पहुंच और क्षेत्रीय साझेदारियों को एक साथ मजबूत करने में है। भारत की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह आज केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और हिंद-प्रशांत—तीनों को जोड़ने वाली एक उभरती वैश्विक शक्ति है।

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, रेड कार्पेट पर रेम्प वॉक करने लगीं पूर्व नक्सली महिलाएं

नीरज कुमार दुबे

रेड कॉरिडोर पर चलने वाले कदम अब रेड कार्पेट पर अपने जलवे बिखेर रहे हैं। कभी नक्सलियों की साथी रहने के दौरान हाथों में बंदूक थामकर बस्तर के घने जंगलों में भटकने वाली महिलाएं अब उसी आत्मविश्वास के साथ रैंप पर चल रही हैं, जहां उनके स्वागत में गोलियों की आवाज नहीं, तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही है। रायपुर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित ट्राइबल फैशन शो में पूर्व महिला माओवादियों ने हाथ से बुने परिधानों में रैंप वॉक कर एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसकी कुछ साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। यह सिर्फ फैशन शो नहीं था, बल्कि बंदूक से मुख्यधारा, हिंसा से विकास और भय से आत्मविश्वास तक बस्तर की बदलती कहानी का जीवंत प्रतीक था।

इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने भी इसे बस्तर के बदलते चेहरे की असाधारण तस्वीर बताया। कई यूजर्स ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक ऐसी तस्वीर की कल्पना करना भी कठिन था। किसी ने इसे सशक्तिकरण का वास्तविक रूप बताया तो किसी ने सवाल उठाया कि ऐसी कहानियों को व्यापक प्रचार क्यों नहीं मिलता। दरअसल, रैंप पर चलती ये महिलाएं उस बदलाव की प्रतिनिधि हैं, जो दशकों तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे जमीन पर आकार ले रहा है।

बस्तर में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर खेल के मैदानों से भी सामने आई है। बस्तर ओलंपिक 2025 में 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि 700 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली और हिंसा से प्रभावित ग्रामीण 'नियो बात' यानी 'नया रास्ता' टीम के तहत खेलों में शामिल हुए। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी भी लगभग तीन गुना बढ़ी। यानी जिन इलाकों में कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब खेलों की तालियां सुनाई दे रही हैं।

शिक्षा के मोर्चे पर भी बदलाव साफ दिखाई देता है। माओवादियों द्वारा ध्वस्त या बंद कराए गए कई स्कूल फिर खुले हैं और जंगलों के बीच बच्चों की पढ़ाई दोबारा शुरू हुई है। आदिवासी युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए 259 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, 46 आईटीआई और 49 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार अब विकास को बस्तर के आखिरी छोर तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत सुरक्षा बलों के कैंपों को 'सेवा डेरा' के रूप में इस्तेमाल कर ग्रामीणों तक राशन, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। 'हर गांव रोशन' जैसी पहलों के जरिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व जैसे दुर्गम इलाकों के 70 से अधिक गांवों तक पहली बार बिजली और सोलर लाइटिंग पहुंची है। डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड की राशि से आदिवासी गांवों में पक्के मकान और बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है।

साथ ही कनेक्टिविटी भी इस बदलाव की रीढ़ बन रही है। बस्तर के दुर्गम इलाकों में 11 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों और 1,300 से ज्यादा मोबाइल टावरों का विस्तार हुआ है। इससे ग्रामीण बाजारों, प्रशासन और देश-दुनिया से जुड़ रहे हैं। उधर, माओवाद के कमजोर पड़ने के बाद सुरक्षा बल अब जंगलों में छिपे आईईडी को भी नष्ट कर रहे हैं और 'आईईडी मुक्त पंचायत' की दिशा में काम हो रहा है।

इस बदलते माहौल की पुष्टि राजनीतिक स्तर पर भी हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर बस्तर में सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजनाओं के मानकों में विशेष छूट की मांग की है। उनका कहना है कि चार-पांच दशकों के बाद बस्तर माओवाद के प्रभाव से बाहर निकलने की स्थिति में पहुंचा है, लेकिन दूर-दराज बिखरी आबादी के कारण सामान्य जनसंख्या आधारित नियमों के तहत सड़क निर्माण में दिक्कत आती है। अब चुनौती है कि शांति को स्थायी विकास में बदला जाए।

सबसे प्रतीकात्मक बदलाव तिरंगे को लेकर है। बस्तर संभाग के 92 से अधिक ऐसे सुदूर गांवों में स्वतंत्रता के बाद पहली बार राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराया गया है। साथ ही पुनर्वास नीति 2025 के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को घर, जमीन, मासिक सहायता और रोजगार के अवसर देकर मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन की राह दी जा रही है।

बहरहाल, बस्तर की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां बदलाव केवल सुरक्षा बलों की सफलता की कहानी नहीं है। यह उस सामाजिक परिवर्तन की कहानी है, जिसमें बंदूक की जगह खेल, जंगल के डर की जगह स्कूल, अलगाव की जगह सड़क और हिंसा की जगह रोजगार ने लेना शुरू किया है। साथ ही जिस छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों को कभी ह्यरेड कॉरिडोरह्ण के नाम से जाना जाता था, वहां अब रेड कार्पेट पर आत्मविश्वास से चलती पूर्व महिला माओवादियों की तस्वीर यही संदेश दे रही है कि राज्य का भविष्य अब भय नहीं, बल्कि शांति, सम्मान और संभावनाओं के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 15 अगस्त 2026 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव तथा भगवान हनुमान जी की कृपा प्राप्ति के लिए अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनिदेव को सरसों का तेल समर्पित करने तथा सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और सर्वत्र सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है परंतु धैर्य बनाए रखने से सफलता अवश्य मिलेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से निर्णय लें और फिजूलखर्ची से बचें। शनिदेव के मंदिर में नीले पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी सभी समस्याएं समाप्त होंगी।

वृष

आज आपके व्यावसायिक क्षेत्र में विस्तार होगा और नए संपर्क से भविष्य में बड़ा आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी और परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपकी तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मिथुन

आज आपके रुके हुए सभी महत्वपूर्ण कार्य तेजी से पूर्ण होंगे और मन में अपार उत्साह बना रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा जिससे पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। हनुमान जी को बूंदी का भोग लगाएं जिससे आपका पराक्रम और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

आज यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यापारिक निर्णय सोच समझकर लें और किसी पर अत्यधिक भरोसा करने से बचें। बहते जल में काले तिल प्रवाहित करें जिससे आपकी मानसिक चिंता दूर होगी।

सिंह

आज आपको व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे और कहीं बाहर घूमने की योजना बन सकती है। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या

आज प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में नए अवसर प्राप्त होंगे जिससे मन प्रसन्न रहेगा। निर्धन व्यक्तियों को भोजन कराएं जिससे आपके कार्य में आ रही रुकावटें समाप्त होंगी।

तुला

आज कला और संगीत से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अनुकूल रहेगा और उनकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं। शनि चालीसा का पाठ करें जिससे आपके जीवन में सुख समृद्धि का वास होगा।

वृश्चिक

आज पारिवारिक संपत्ति से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी और घर का माहौल आनंदमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों की सराहना होगी। हनुमान जी के सम्मुख चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके कष्ट दूर होंगे।

धनु

आज आपका झुकाव आध्यात्मिक कार्यों की ओर अधिक रहेगा और धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। व्यापार में साझेदारी से बड़ा लाभ संभव है। मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता में सुधार होगा।

मकर

आज आपकी राशि के स्वामी शनिदेव की विशेष कृपा से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। करियर में नए आयाम स्थापित होंगे और समाज में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी प्रगति के द्वार खुलेंगे।

कुंभ

आज नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन अत्यंत शुभ रहेगा और आप अपनी योजनाओं में सफल होंगे। भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। चींटियों को आटा डालें जिससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मीन

आज व्यर्थ के विवादों से दूर रहने का प्रयास करें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं। शाम के समय किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। काले कुत्ते को रोटी खिलाएं जिससे आपके सभी काम सुगमता से पूरे होंगे।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन भवन के पश्चिम कोण को स्वच्छ रखकर वहां शाम के समय सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करने से घर की समस्त नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है तथा शनिदेव की कृपा से अखंड समृद्धि और सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में जिले के विभिन्न मंडलों में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी मथुरा के जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में ले के विभिन्न मंडलों में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा निकाली। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्राओं का स्वागत किया।

नंदगांव, कोसी, शहीद हेमराज, मांट, सोनई, अनोरा, दीनदयाल धाम और बाजना सहित विभिन्न मंडलों में आयोजित कार्यक्रमों में कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के दौरान "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा। दीनदयाल धाम मंडल की सभा को संबोधित करते हुए विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है।

जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि तिरंगा यात्रा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश देने का माध्यम है।मथुरा जिले में कार्यकताओं ने जिस उत्साह के साथ अभियान में भाग लिया, वह सराहनीय है। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। सोशल मीडिया के माध्यम से भी इस संदेश को घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी

पारस ठाकुर, जिला मंत्री अजय परखम, जिला महामंत्री आकाश चौधरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजदर्शन पचौरी, जिला सह कार्यालय मंत्री संजय तरकर, मण्डल उपाध्यक्ष भोला चौधरी, रविन्द्र चौधरी, दिनेश चौहान, रामनरेश उपाध्याय, मण्डल महामंत्री हरिशंकर दीक्षित, परमानन्द अग्रवाल, मण्डल मंत्री राहुल पाठक आदि उपस्थित रहे।

कली के हिंडोले में विराज राजाधिराज ने मोह लिया मन

टीएनएफ टुडे, मथुरा। नगर के प्रसिद्ध पुष्टिमार्ग संप्रदाय के द्वारकाधीश मंदिर में सावन में चल रहे हिंडोला व घटा महोत्सव के दौरान गुरुवार को जन जन के आराध्य राजाधिराज को कली के हिंडोले में विराजमान करके भक्तों को दर्शन कराये गए। हिंडोले में विराजे राजाधिराज मनमोहक लग रहे थे। भक्त भी एक टकटकी लगाए उनको निहार रहे थे, किसी का मन ठाकुर के समक्ष से हटने का नाम नहीं ले रहा था। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर में आज शाम ठाकुर राजाधिराज महाराज के कली के हिंडोले के दर्शनों को भक्त उमड़ पड़े। उन्होंने बताया कि पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़-लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। यह क्रम पूरे सावन मास में मंदिर में जारी रहेगा। शुक्रवार को संध्या उद्यापन के दर्शन 5 बजे खुलेंगे। शयन के दर्शन सायंकाल 7 बजे से 8 बजे तक होंगे जिसमें ठाकुर जी महाराज सोसनी घटा में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

पांच निरीक्षक और 45 उप निरीक्षक बदले गए

- इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह बने एसएसपी के पीआरओ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बुधवार को जिले में बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के तबादले किए। जारी आदेश के अनुसार, कुल 50 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है, जिनमें पांच निरीक्षक और 45 उप निरीक्षक शामिल हैं।

स्थानांतरण सूची के तहत, निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह को आरटीसी प्रभारी से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का पीआरओ बनाया गया है। निरीक्षक संजयपाल सिंह राघव को थाना कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक कानून-व्यवस्था पद से प्रभारी मीडिया सेल की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक सिरोजनी देवी को पुलिस लाइन से प्रभारी आरटीसी,

एसएसपी श्लोक कुमार।

आई-जीओटी सेल नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, निरीक्षक हरेन्द्र मलिक को थाना गोवर्धन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध थाना बरसाना और निरीक्षक घनेन्द्र शर्मा को थाना बरसाना से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध थाना गोवर्धन भेजा गया है। उप निरीक्षकों में कई चौकी प्रभारियों को भी बदला गया है। पारूल मिश्रा को मंडी समिति थाना हाईवे चौकी प्रभारी, चन्द्रवीर सिंह को सौंख चौकी (थाना मगोर्रा), अमित कुमार राय को कस्बा बल्देव चौकी प्रभारी और विपिन कुमार को कस्बा गोवर्धन चौकी प्रभारी बनाया गया है। मोहनलाल को थाना हाईवे, मनोज शर्मा को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना गोविंदनगर और विनीत चौधरी को थाना मांट भेजा गया है। इसी क्रम में, दीपक चौधरी को विशम्भरा चौकी, विपिन तोमर को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना सदर बाजार, सोमिल राठी को सतोहा चौकी और उमेश सिंह बैंस को वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना राया की जिम्मेदारी सौंपी गई है। धर्मेन्द्र सिंह को थाना गोवर्धन तथा सुबोध कुमार भारद्वाज को थाना बल्देव में वरिष्ठ उप निरीक्षक नियुक्त किया गया है। अभिलाषा भारद्वाज को परिवार परामर्श केंद्र और सूरजपाल सिंह को महिला थाना भेजा गया है। तबादला सूची में लगभग दो दर्जन उप निरीक्षकों को केजेएस भेजा गया है।

पत्रकार के घर हमले में 15 नामजद,15 अज्ञात

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पिनाहट।

थाना बसई अरेला क्षेत्र के नयापुरा, कांकरखेड़ा निवासी पत्रकार अनिल कुमार ने घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी थी । पुलिस ने मामले में 15 नामजद और करीब 15 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

घटना 8 अगस्त की सुबह करीब आठ बजे की है। आरोप है कि नामजद आरोपी व अन्य लोग एक राय होकर घर में घुस आए और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। शिकायतकर्ता की चचेरी बहन रूबी पर लाठी-डंडे से हमला करने का आरोप है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए आगरा ले जाया गया। शिकायत में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट और घर का मोबाइल तोड़ने का भी आरोप लगाया गया है।

बसई अरेला पुलिस ने एफआईआर में हीरालाल पुत्र अंतराम, पप्पू पुत्र सुंदर सिंह, सुरेश पुत्र सुंदर सिंह, जसवंत पुत्र दोजीराम, घनश्याम पुत्र पूरन सिंह, सूरज पुत्र हाकिम सिंह निवासी आलमपुर, गुड्डू पुत्र मुन्नालाल, हरिबेटी पत्नी सुरेश, भूदेवी पत्नी हाकिम, बैजंती पत्नी मुन्नालाल, कान्ती पत्नी पप्पू, राजपुत्र मुन्नालाल, अजय पुत्र मुन्नालाल, देवेंद्र पुत्र मुन्नालाल और रूपा पुत्र घनश्याम को नामजद किया गया है। इसके अलावा करीब 15 अज्ञात व्यक्तियों और महिलाओं के शामिल हैं। बसई अरेला पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अछनेरा पुलिस ने वारंटी को जेल भेजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अछनेरा।

थाना अछनेरा पुलिस ने अभियान चलाकर न्यायालय से संबंधित एक वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रामनरेश पुत्र औसान सिंह थाना अछनेरा को गिरफ्तार किया गया। आरोपि को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस टीम ने उच्चाधिकारियों के निर्देशन में की।

अब स्वच्छता दूत बनेंगे ई-रिक्शा चालक, ई-रिक्शा में लगे डस्टबिन

- धर्मनगरी वृंदावन में निकाली गई तिरंगा रैली
- ई-रिक्शा चालकों को बनाया स्वच्छता का 'ब्रांड एंबेसडर'
- हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है अभियान की आगाज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' के संकल्प को साकार करने तथा मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 'व्रज वैभव अभियान' के तहत गुरुवार को नवीन मंडी (दारुक पार्किंग के पास), वृंदावन में नगर निगम द्वारा ई-रिक्शा चालकों के साथ जन-जागरूकता एवं स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ई-रिक्शा चालकों को स्वच्छता, यातायात व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वच्छता संदेश का मुख्य वाहक बनाना है।

कार्यक्रम में ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन., नगर आयुक्त ओजस्वी राज, एसपी सिटी सहित नगर निगम के अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ई-रिक्शाओं में यात्रियों द्वारा फेंके जाने वाले कचरे को एकत्र करने के लिए पोर्टेबल डस्टबिन/बैग वितरित किए गए। चालकों से अपील की गई कि वे यात्रियों को सड़क पर कचरा न फेंकने के लिए प्रेरित करें। ई-रिक्शाओं पर हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है लिखे जागरूकता पट्ट (साइन बोर्ड) लगाए गए।

कार्यक्रम में ई-रिक्शाओं पर राष्ट्रध्वज, स्वच्छता पट्टिका एवं डस्टबिन लगाए गए। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अतिथियों ने ई-रिक्शा तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगे से सजे ई-रिक्शाओं की रैली ने स्वतंत्रता दिवस के उत्साह के साथ नगर में स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज को स्वच्छ बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ई-रिक्शा चालक प्रतिदिन हजारों देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के संपर्क में रहते हैं। ई-रिक्शा में डस्टबिन रखने की यह पहल मथुरा-वृंदावन की स्वच्छता को नई मजबूती देगी।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि नगर निगम की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। ई-रिक्शा चालक शहर की यातायात और जनजीवन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए वे यात्रियों को कचरा न फैलाने और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा कि ई-रिक्शा चालक यदि निर्धारित रूट और अनुशासित ढंग से वाहन चलाएं, तो शहर की यातायात व्यवस्था सुरक्षित, सुगम और प्रभावी बनेगी। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि ई-रिक्शा चालकों को स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर बनाना इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

इसका उद्देश्य स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ शहर के ट्रैफिक को व्यवस्थित करना है।कार्यक्रम का समापन सामूहिक स्वच्छता संकल्प, हर घर तिरंगा संदेश और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हरियाली तीज पर बरसाना के राधा रानी मंदिर में उमडेगी भीड़

- व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने की समन्वय गोष्ठी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बरसाना।

आगामी हरियाली तीज पर्व के दृष्टिगत श्री राधा रानी मंदिर बरसाना में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रोपवे कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार ने संयुक्त रूप से की।

गोष्ठी में लिए गए निर्णयों के अनुसार, श्रद्धालु परंपरागत मार्गकृश्रीजी गेट, कटारा पार्क, सुदामा चौक, दादी बाबा मंदिर, सिंगपुर गेट तथा सफेद छतरी के पास से होते हुए मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश करेंगे। दर्शन के पश्चात निकास द्वार से होते हुए जयपुर मंदिर और थाना तिराहा के रास्ते श्रद्धालु अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

अधिकारियों ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग करने तथा श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए उचित स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगाने के कड़े निर्देश दिए। गोष्ठी में एसडीएम गोवर्धन, ईओ नगर पंचायत बरसाना, चिकित्सा अधिकारी, लाडली जी मंदिर के रिसीवर डॉ. यज्ञ पुरुष, कीर्ति मंदिर के प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह सहित व्यवस्था से जुड़े अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लोक संगीत व श्रावण मास के लोकगीतों ने मोह लिया मन

- ब्रज लोक कला एवं शिल्प संग्रहालय में हुआ लोक संगीत कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृन्दावन।

छटीकरा-राधाकुण्ड मार्ग बहुलावन स्थित ब्रज लोक कला एवं शिल्प संग्रहालय के सभागार में आयोजित आचार्य विभु जी महाराज की जयन्ती समारोह के अवसर पर लोक संगीत का कार्यक्रम श्रावण मास के लोकगीतों पर आधारित गायन स्थानीय महिलाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं ने ढोलक की थाप पर ब्रज के पारंपरिक सावन गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोकुल क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रणत पाल सिंह ने कहा कि ब्रज भाषा और ब्रज संस्कृति बहुत प्राचीन व समृद्ध है यह लोक जीवन की भाषा है। भगवान श्रीकृष्ण की अपनी भाषा है, हमें इस पर गर्व है। महाराष्ट्र की

सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक श्रीदेवी आईपीएस ने ब्रज की लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। ब्रज कला केंद्र के सचिव दीपक गोयल ने कहा कि विभु महाराज की स्मृति में इस प्रकार के आयोजन उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने की दिशा में सराहनीय प्रयास हैं। मुख्य अतिथि के रूप में लुधियाना पंजाब से पधारीं समाजसेविका पंजाब रत्न मनप्रीत कौर को संसथान की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ब्रज का प्राचीन वाद्य यत्र चंग पर हरप्रसाद ने लावणी लोकगीत पर आधारित प्रस्तुति दी। ब्रजभाषा के जानेमाने कवि अशोक अज्ञ व सत्य प्रकाश शर्मा (सोटानंद) ने ब्रजभाषा में कविता वाचन किया। गीता मर्मज्ञ डॉ. महेश चंद शर्मा ने गीता पाठ किया। गीता शोध संस्थान के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने कहा कि संग्रहालय की स्थापना के उद्देश्यों व स्वर्गीय आचार्य विभु महाराज की स्मृति में स्थापित यह संग्रहालय आने वाली पीढ़ियों को ब्रज की पुरानी जीवनशैली और लोक संस्कृति से परिचित कराने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया। ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद शर्मा ने सभी मुख्य अतिथियों का परिचय कराते हुए स्वागत किया।

इस अवसर पर कपिल देव उपाध्याय, डॉ. गोविन्द लाल गोस्वामी, बिहारी शरण जी, सुप्रिया गोस्वामी, पूर्व डीआईओएस डॉ एसपी गोस्वामी, चित्रकार द्वारका प्रसाद, दूध नाथ यादव, उमा शर्मा, आदित्य राज शर्मा, श्रीयष शर्मा, लोक संगीत कार्यक्रम के संयोजक संजय सिंह, अंशुल पाराशर, श्रुति शर्मा, सूरदास ब्रजभाषा अकादमी के निदेशक डॉ केशव शर्मा, राजश्री टंडन के प्रपौत्र वैज्ञानिक शांति भूषण, पत्रकार सुनील शर्मा, कथावाचिका मोहिनी कृष्णदासी, सोनम, रामवीर सिंह, दीपक शर्मा, अमित शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया।

ई-रिक्शा चालक बनेंगे स्वच्छता एंबेसडर

मथुरा। वृंदावन नगर के पानीगांव संपर्क मार्ग स्थित मंडी परिसर में ई-रिक्शा चालकों के साथ जन जागरूकता एवं स्वच्छता संवाद अधिवेशन का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजकांत मिश्र, एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन और नगर आयुक्त ओजस्वी राज मौजूद रहे। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बताया कि ब्रज मंडल को स्वच्छ बनाने के लिए पिछले दो माह से ब्रज वैभव अभियान चलाया जा रहा है। बाहर से आने वाले श्रद्धालु सबसे पहले ई-रिक्शा या ऑटो का उपयोग करते हैं, इसलिए इन्हें स्वच्छता एंबेसडर बनाने का आह्वान किया गया है। इस सम्मेलन को हर घर तिरंगा अभियान से भी जोड़ा गया। उन्होंने चालकों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए एक समिति बनाई जाएगी, जो उनके प्रतिनिधिमंडल से आवेदन लेकर नियमानुसार समस्याओं का निस्तारण करेगी। इस अवसर पर जहां अधिकारियों द्वारा तिरंगा फहराते हुए सेल्फी ली गई वहीं ऑटो और ई रिक्शों पर तिरंगा लगाकर रवाना किया गया।

भारतीय हलधर किसान यूनियन ने मनाया धूमधाम से चौथा स्थापना दिवस

आगरा सिकंदरा। भारतीय हलधर किसान यूनियन का चौथा स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने किसान हित, सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। किसानों, नारी शक्ति और युवाओं की भी सहभागिता रही। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण गोपाल भदौरिया ने कहा कि संगठन की चार वर्ष की यात्रा किसानों की जमीनी समस्याओं और अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष की यात्रा है। संगठन का उद्देश्य गांव के किसान की आवाज को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की नींव की ईंट है। जमीन, फसल, सिंचाई, बिजली, सड़क, मंडी, खाद-बीज, मुआवजा और आवारा पशुओं जैसी समस्याओं का गंभीरता से समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को समस्या के समय अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। संगठन को व्यक्ति विशेष के बजाय किसान हितों पर आधारित मजबूत और अनुशासित संगठन बनाया जाएगा। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशफाक अली, राष्ट्रीय सैनिक प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल सिकरवार, महानगर अध्यक्ष पंकज शर्मा, प्रदेश महासचिव वलीशेर, मंडल उपाध्यक्ष लवकुश सोलंकी, मुकेश सिकरवार, रूपेश सिकरवार, ललित कुमार, मीडिया प्रभारी राज ठाकुर, तेजेंद्र प्रताप सिंह और ओमवीर नेता सहित अन्य मौजूद रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत संगठन में किशन सिंह, अवधेश कुमार, जवाहर सिंह वर्मा, अजयपाल धाकरे, सूरज जादौन, गणेश हसीन, आशिफ साह, बच्चू सिंह, आकाश शर्मा, योगेश मुद्गल, राकेश कुमार, प्रदीप कुमार गुप्ता, सोनू शर्मा, मनोज शर्मा, रिंकू परमार, महेंद्र शर्मा और रोहित सिंह को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई। पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत कर किसान हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प दिलाया।

दहेज के लिए प्रताड़ना के बाद विवाहिता की मौत, पति गिरफ्तार

आगरा। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न के चलते एक विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर लिया। विवाहिता के मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उसे लगातार परेशान कर रहा था। मामले में पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, विवाहिता की शादी 28 फरवरी 2025 को आकाश पुत्र रघुनाथ सिंह निवासी टेढ़ी बगिया के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित किया जा रहा था। 10 अगस्त को आकाश ने विवाहिता के परिजनों को फोन कर बताया कि दोनों के बीच विवाद हो गया है। कुछ देर बाद उसने दोबारा फोन कर बताया कि विवाहिता ने तेजाब पी लिया। उसे इलाज के लिए टेढ़ी बगिया स्थित अस्पताल ले जाया गया। वहां उपचार के दौरान विवाहिता की मौत हो गई। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस टीम ने 12 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए विवाहिता के पति आकाश को कृष्ण बाग कॉलोनी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक मामले में गुड्डू, अनिल और एक महिला आरोपी अभी वांछित हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

लोधी एकता का संदेश देगी शोभायात्रा

16 अगस्त को अवंतीबाई लोधी की जयंती पर होगा आयोजन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी कल्याण समिति के तत्वावधान में अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की 195वीं जयंती के अवसर पर आगामी 16 अगस्त को फतेहपुर सीकरी में निकाली जाने वाली शोभायात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं।

शोभायात्रा में मुख्य अतिथि पूरन लाल लोधी ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष भाजपा व विशिष्ट अतिथि आनंद लोधी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा व निहाल सिंह भोले होगे। शोभायात्रा का प्रारंभ देवी मंदिर सीकरी चार हिस्सा से प्रारंभ होकर फतेहपुर रिसॉर्ट्स तेहरा रावत पर समापन होगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अगामी 16 अगस्त को निकाली जाने वाली शोभायात्रा को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में समिति द्वारा आगरा जनपद में गांव गांव जाकर आमंत्रण बाँट कर शोभायात्रा में लोगों को सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

समिति ने सर्व समाज के बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में सम्मिलित होकर वीरांगना अवंतीबाई लोधी को श्रद्धांजलि दें। प्रमुख रूप से खड़ग सिंह प्रधान, चन्द्रभान सिंह प्रधान, टुंडाराम लोधी, महावीर लोधी प्रधान, चंद्रशेखर प्रधान, कैलाशी राम, दरियाब सिंह लोधी, डॉ. किशन सिंह, नाहर सिंह फौजी, भगीरथ भगत, साहब सिंह, खेमा लोधी, प्रेम सिंह मास्टर, मिथुन लोधी, कालू राजपूत, अशोक लोधी सभासद, पुष्पेंद्र लोधी, मनीष लोधी, विशाल राजपूत आदि रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन 15 तक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने अवगत कराया है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिश की अंतिम तिथि 15 अगस्त निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन भारत सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा सकता है। यह पुरस्कार बच्चों की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं असाधारण उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने हेतु प्रदान किया जाता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु (15 अगस्त 2026 की स्थिति में) के ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे, जिन्होंने वीरता, समाजसेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं असाधारण योगदान दिया है, उनके नाम संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकित किए जा सकते हैं। उन्होंने जनपद के सभी पात्र बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों एवं संबंधित विभागों से अपील की है कि अधिक से अधिक योग्य बच्चों का नामांकन निर्धारित समय सीमा के भीतर कराकर उन्हें इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान का लाभ दिलाने में सहयोग करें।

28 वाहनों का चालान, पांच किए सीज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

विशेष प्रवर्तन अभियान "मिशन सेफ फ्यूचर 2.0" संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में स्कूली वाहनों की गहन जांच एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। विगत दिनों स्कूली वाहनों से हुई दुर्घटनाओं का संज्ञान लेते हुए शासन द्वारा यह सख्त अभियान शुरू किया गया है, ताकि बच्चों के सुरक्षित आवागमन को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जा सके।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के निर्देशन में सतेन्द्र कुमार सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन द्वितीय दल) मथुरा, संदीप चौधरी, यात्रीकर अधिकारी मथुरा तथा पूजा सिंह, यात्रीकर अधिकारी मथुरा द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न स्कूली बसों, वैनों एवं निजी या अनुबंधित वाहनों की फिटनेस, परमिट, प्राथमिक उपचार बॉक्स, अग्निशमन यंत्र तथा चालकों की योग्यता व आवश्यक दस्तावेजों की गहनता से जाँच की गई।

इस जाँच कार्यवाही के दौरान सुरक्षा मानकों में कमी, अनफिट वाहन संचालन तथा आवश्यक दस्तावेजों के अभाव पाए जाने पर 28 स्कूली वाहनों (बस, ईको) के चालान किए गए तथा 05 स्कूली वाहनों को जनपद के विभिन्न थानों में निरूद्ध किया गया।

स्वतंन्त्रता दिलाने में अपना सर्वत्र न्योछावर करने वाले बलिदानियों से प्रेरणा लेकर युवा देश के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें:प्रभारी मंत्री

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत अमन इंटरनेशनल स्कूल से विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। राष्ट्रभक्ति गीतों और भारत माता की जय, वंदे मातरम व इंकलाब जिंदाबाद के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं और युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर रैली का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी असंख्य वीरों के त्याग और बलिदान से मिली है। युवाओं को स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर देश के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के इतिहास और बलिदानियों के योगदान से परिचित कराना है।

पूर्व मंत्री एवं विधायक भोगांव रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने तिरंगे को देश की आन-बान-शान बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

रैली अमन इंटरनेशनल स्कूल से भांवत चौराहा, स्टेशन रोड, क्रिश्चियन तिराहा होते हुए बस स्टैंड क्षेत्र तक पहुंची। समापन के बाद मंत्री सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने शहीद पार्क पहुंचकर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रैली में रिधिमा वर्ल्ड स्कूल, लॉर्ड कृष्णा एजुकेशन एकेडमी, सुदिति ग्लोबल एकेडमी, अमन इंटरनेशनल स्कूल, क्रिश्चियन इंटर कॉलेज, डॉ. किरन सौजिया स्कूल और सेंट मैरी स्कूल सहित कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, सीडीओ नेहा बंधु सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाजसेवी मिर्जा अकील बेग ने भागवत कथा में पहुंचकर किया स्वागत, टिन शेड डलवाने का किया ऐलान

करहल। मोटामल मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में समाजसेवी मिर्जा अकील बेग ने पहुंचकर कथा का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने कथा वाचक माधव शास्त्री का पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत-सत्कार किया। साथ ही कथा आयोजन समिति के सभी सदस्यों का भी जोरदार स्वागत किया गया। समाजसेवी मिर्जा अकील बेग ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि मोटामल मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है और मंदिर परिसर को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि मोटामल मंदिर की सुंदरता और सुविधाओं में चार चांद लगाने के लिए मंदिर परिसर में टिन शेड डलवाने का कार्य कराया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को कथा एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान सुविधा मिल सके। मिर्जा अकील बेग ने श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन की कामना करते हुए कहा कि यह धार्मिक आयोजन हर वर्ष नई ऊंचाइयों को छुए और क्षेत्र में आपसी प्रेम, भाईचारा तथा सद्भावना हमेशा कायम रहे। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान दफेदार सिंह पाल, विजय राम यादव, विश्राम यादव, विनोद चतुर्वेदी, हनुमान भक्त संदीप यादव डुग्गू, रोहित यादव, रिंकू यादव, अंकित यादव समेत आयोजक समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट प्रदर्शन की जनपदीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

फिरोजाबाद। भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय के निर्देशन में दाऊदयाल गर्ल्स इंटर कॉलेज, फिरोजाबाद में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजुमा रियाज एवं जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट प्रदर्शन के लिए जनपदीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय साइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टैंबिलिटी है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में कोई मॉडल नहीं बनना है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में 10 वर्ष से 17 वर्ष तक के बच्चे प्रतिभाग करते हैं। प्रतिभागियों को अपना रजिस्ट्रेशन निर्गत लिंक ३३स्र२://ल्ल-ूू.ल्ल/ पर 31 अगस्त तक भरना होगा। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालय के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय के अधिक से अधिक प्रतिभागियों को इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में रजिस्ट्रेशन एवं प्रतिभाग कराकर उनकी शोध की प्रवृत्ति में वृद्धि करने में सहयोग करें। अंजुमा रियाज ने जिला समन्वयक का आभार व्यक्त करते हुए सभी शिक्षक साथियों को इस प्रोजेक्ट कार्य की महत्ता बताते हुए सभी को नामांकन वृद्धि के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उमेश चन्द्र यादव, श्रीमती कीर्ति तैंगुरिया, अर्चना यादव, शाहीन अहमद, दीपेन्द्र कौर, अनीता राजपूत, प्रीती कुलश्रेष्ठ, डॉ प्रतिभा, पिंकी गौतम, दिग्विजय सिंह, सुनील कुमार निषाद, जवाहरलाल बघेल, राजकुमार सिंह, सतवीर सिंह, प्रदीप कुमार, अजीत कुमार, दीपक यादव, विपिन कुमार, शीलवन्त सिंह यादव, राजकुमार उपाध्याय, दिव्यांश प्रताप सिंह, शशिकांत यादव, कमलेश चन्द्र शर्मा, नारायण मिश्रा, मुनीश कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

नर्वदेश्वर महादेव मंदिर भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

टीएनएफ टुडे, आगरा।

नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को विधिविधान से विश्राम हुआ। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन में आहुति देकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

वृंदावन से पधारे कथावाचक भरत लाल शास्त्री महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का श्रवण किया। अंतिम दिन कथा के विश्राम अवसर पर विधिवत हवन कराया गया। श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञकुंड में आहुतियां अर्पित कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की।

हवन के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कथा विश्राम के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में प्रसादी ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। आयोजकों और श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से भंडारे की व्यवस्था संभाली। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद लिया। कथावाचक भरत लाल शास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण मनुष्य को भक्ति के साथ जीवन में सदाचार, सेवा, प्रेम और परोपकार की प्रेरणा देता है। कथा का उद्देश्य केवल धार्मिक प्रसंगों को सुनना नहीं, बल्कि उनके संदेश को अपने आचरण में उतारना है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान की भक्ति के साथ जरूरतमंदों की सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कमल अग्रवाल, राकेश त्यागी, डॉ. सुरेंद्र सिंह बागोर, विक्रांत कुशवाहा, पार्षद राकेश वर्मा, अरुण, अशोक यादव, विनोद यादव, सुनील यादव, अजय बंसल, हनी अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, सनी शर्मा, अनिल चौरसिया, नीतू सिंह, रेखा, बृजेश चौहान, आंसू सिकरवार, उषा यादव, आरती सिंह, प्रीति अग्रवाल, निशा अग्रवाल, मोना अग्रवाल, निशु, गुननु, रुनझुन और पुनना मौजूद रहे।

हर शुक्रवार गांवों में पहुंचेगी प्रशासन की टीम, मौके पर होगा राजस्व शिकायतों का समाधान

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद में राजस्व संबंधी शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण के लिए प्रत्येक शुक्रवार को चिन्हित ग्रामों में विशेष ह्यमिशन समाधानह्व अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि अभियान के तहत प्रशासन, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीमें गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनेंगी और मौके पर ही नियमानुसार समाधान कराने का प्रयास करेंगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि आईजीआरएस, जनता दर्शन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा में कुछ ग्रामों में राजस्व संबंधी प्रकरण अधिक संख्या में सामने आए हैं। 01 जनवरी 2026 से अब तक प्राप्त सभी संबंधित शिकायतों को सूचीबद्ध कर संबंधित उप जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराया गया है। इन मामलों का निस्तारण अब गांव में पहुंचकर किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को बार-बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी की उपलब्धता के आधार पर विशेष टीमों का गठन किया जाएगा। टीम में उप जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, दो राजस्व निरीक्षक तथा 10 से 12 लेखपाल शामिल होंगे। भूमि विवादों में वास्तविक स्थिति की जांच, पैमाइश और नाप-जोख के लिए आधुनिक रोवर तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

अभियान के दौरान राजस्व टीम के साथ संबंधित थाने से पर्याप्त पुलिस बल भी मौजूद रहेगा। पुलिस टीम में एक उप निरीक्षक और पांच पुलिसकर्मी शामिल होंगे। आवश्यकता पड़ने पर थाना प्रभारी भी मौके पर उपस्थित रहेंगे। ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा, जल निकासी, चकरोड आदि से जुड़े मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर ग्राम पंचायत के माध्यम से संबंधित कार्य भी उसी दिन कराया जाएगा। ऐसे मामलों में खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे।

ग्रामीणों को अभियान की जानकारी पहले से दी जाएगी। प्रत्येक शुक्रवार होने वाली राजस्व चौपाल के संबंध में गुरुवार को संबंधित गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। लेखपाल और ग्राम पंचायत अधिकारी ग्रामीणों को जानकारी देंगे। विवादित पक्षकारों को पूर्व सूचना दी जाएगी तथा पंचायत घर या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर संबंधित विवादों की सूची, पक्षकारों के नाम और मिशन की तिथि का नोटिस चस्पा किया जाएगा।

न्यायालय में विचाराधीन मामलों का अलग से सूचीकरण किया जाएगा। राजस्व न्यायालय से संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी, जबकि अन्य न्यायालयों में लंबित मामलों में आवश्यक विधिक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। गैर-न्यायालयीन मामलों में पक्षकारों की सहमति और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सभी पक्षों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रत्येक शुक्रवार की कार्रवाई के बाद निस्तारित प्रकरणों की आख्या जिलाधिकारी कार्यालय स्थित आईजीआरएस सेल को भेजी जाएगी। यदि किसी शुक्रवार को सभी चिन्हित मामलों का निस्तारण नहीं हो पाता है तो अभियान शनिवार और रविवार को भी जारी रहेगा। अभियान का नेतृत्व उप जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी न्यायिक करेंगे, जबकि पूरे अभियान का पर्यवेक्षण अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व करेंगे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक भी समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा करेंगे।

संगठन की मजबूती के साथ जनता के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

संगठन की मजबूती के साथ कांग्रेस जनता के हक, सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई लड़ रही है। जननायक राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस बूथ स्तर तक अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव एवं फिरोजाबाद जिले की पर्यवेक्षक संजीता सिहाग ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद की बैठक को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं की एक-एक बूंद देश के लिए समर्पित है। किसी महिला के साथ अत्याचार, व्यापारियों के साथ लूट, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ या युवाओं को रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में कांग्रेस सरकारों को चैन से नहीं बैठने देगी। जनता की सुरक्षा, सम्मान और विकास कांग्रेस की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक राजेश राज जीवन, प्रशांत तिवारी एवं सुनीता सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि राहुल गांधी चाहते हैं कि जिलाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर कांग्रेस कार्यकताओं और जनता की राय को प्राथमिकता दी जाए। इसी उद्देश्य से वे ब्लॉक और गांवों में जाकर कार्यकताओं एवं आमजन से संवाद कर रहे हैं। सभी की राय और सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर हाईकमान को सौंपी जाएगी।

बैठक में जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव, ब्लॉक अध्यक्ष रनवीर सिंह गुर्जर, शिकोहाबाद ब्लॉक अध्यक्ष योगेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, हाजी सईद पटेल, हाजी नासिर अहमद, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय यादव, जिला महामंत्री योगेश कुमार बिट्टू यादव, जिला सचिव सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर जयपाल सिंह यादव, रामप्रवेश, डॉ. सर्वेश कुमार दिवाकर, रामभरोस मेहर, आकाश कुमार, राजवीर सिंह, जतन सिंह, भगवान सिंह गुर्जर, निजाम खान, लल्लू राम, पुष्पेंद्र सिंह, रामकुमार, दिलीप कुमार, श्रीमती शैलेश, रामप्यारी, पप्पू खान, राम खिलाड़ी वाल्मीकि, राजेंद्र सिंह, जुगल किशोर, अंजन अलो, कल्याण सिंह, दिनेश चंद, इकरार अली, रामाश्रय वाल्मीकि, रमेश चक, राजन सिंह, जितेंद्र गुर्जर, सचिन कुमार गुर्जर, सोपाली प्रजापति, राम लक्ष्मण, हाकिम सिंह, नेपाल सिंह, छोटेलाल, अरुण कुमार, बालवीर, अंकित, अंशुल, रामपाल, राम कबीर, किशन लाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंत्री जयवीर सिंह 15 अगस्त को मैनपुरी में करेंगे ध्वजारोहण, सुनेंगे जनसमस्याएं

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश शासन जयवीर सिंह 15 अगस्त को जनपद मैनपुरी के भ्रमण पर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री प्रातः 10 बजे पुलिस लाइन में ध्वजारोहण करेंगे। ध्वजारोहण के बाद वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों एवं पेंशनर्स को सम्मानित करेंगे। इसके साथ ही अन्य कार्यक्रमों में भी सम्मिलित होंगे।

मंत्री जयवीर सिंह पूर्वाह्न 11:10 बजे पुलिस लाइन के सामने स्थित ट्रांजिस्ट हॉस्टल में जनसमस्याएं सुनेंगे और संबंधित अधिकारियों को उनके प्रभावी निस्तारण के निर्देश देंगे।

इसके बाद अपराह्न 1:15 बजे घिरोर चौराहा, करहल में रॉयल किचन रेस्टोरेंट का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत मंत्री अपराह्न 1:45 बजे अपने निज आवास सिरसागंज के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रभारी-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, एटा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राकेश धर दुबे, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा से प्राप्त दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में जिला कारागार, एटा का मासिक निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया।

इसके अनुपालन में युगल चन्द्र चौधरी, अपर सिविल जज (सी.डि.)/प्रभारी-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा द्वारा प्रत्येक बैरेक में जाकर निरूद्ध बन्दियों की समस्याओं को सुना गया और पूछा कि अपने वाद की पैरवी हेतु आपके पास अपना अधिवक्ता है अथवा नहीं। यदि अधिवक्ता नहीं है, तो मामले की पैरवी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान कराया जायेगा तथा बंदियों से मुलाकात के दौरान पाया कि कुछ बंदियों ने जमानत के सम्बन्ध में, पेशी की तारीख, सरकारी अधिवक्ता प्रदान करने आदि के बारे बताया गया, जिसके सम्बन्ध में जिला कारागार, एटा प्रशासन को निर्देश भी दिये कि बंदियों की समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाये। साथ ही प्रभारी-सचिव महोदय द्वारा जेल अधीक्षक, जिला कारागार, एटा को यह भी निर्देश दिया गया कि जेल में निरूद्ध बन्दियों का समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाये, गर्मी व बारिश के मौसम को देखते हुए गर्मी से निजात पाने के क्या इन्तजाम है, को देखा गया, डेंगू, मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिये बंदियों को सभी इन्तजाम मुहैया किये जाये। बदलते मौसम आदि को दृष्टिगत मच्छरों के प्रकोप से भीषण बीमारियों से बचाव के इन्तजाम को भी जाँचा गया व उससे सम्बन्धित जेल प्रशासन को दिशा-निर्देश दिये गये, जिससे भीषण गर्मी व बारिश से होने वाली बीमारियों के प्रकोप से बन्दियों को बचाया जा सके।

जेल अधीक्षक जिला कारागार, एटा को निर्देशित किया गया कि जिला कारागार के अन्दर साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था रखे और यदि कोई भी बन्दी अस्वस्थ नजर आये तो उसे तुरन्त जिला कारागार के चिकित्सक को दिखायें। प्रभारी-सचिव, जिला विधिक जिला सेवा प्राधिकरण, एटा द्वारा जिला कारागार अस्पताल की साफ-सफाई तथा कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से उनकी बीमारियों एवं दवा आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर अंकेक्षिता श्रीवास्तव, जेल अधीक्षक एवं डिप्टी जेलर शशीकला वर्मा, कारागार चिकित्सक डॉ. उत्सव जैन एवं समस्त जेल अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर प्री-ट्रायल बैठक सम्पन्न

एटा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के तत्वावधान में 12 सितम्बर 2026 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिसके अनुपालन में अहमद उल्लाह खाँ पीठासीन अधिकारी, एमएसीटी एटा एवं कमालुद्दीन अपर जिला जज/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, युगल चन्द्र चौधरी अपर सिविल जज(सी0डि0)/प्रभारी-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के साथ यूनाईटेड इण्डिया इन्श्योरेंश कम्पनी लि., के अधिकारीगण एवं बीमा कम्पनी के अधिवक्तागण की प्री-ट्रायल बैठक विश्राम कक्ष एमएसीटी, एटा में दोपहर 1:30 बजे सम्पन्न की गयी। जिसमें आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारित कराने के लिये निर्देशित किया गया।

स्कूल-आंगनवाड़ी केंद्रों में चलेगा मॉप-अप राउंड

टीएनएफ टुडे, आगरा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के तहत 14 अगस्त को मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा। मुख्य दिवस 10 अगस्त को किन्हीं कारणों से छूट गए 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के मॉप-अप राउंड में 14 अगस्त को बच्चों को स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों पर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। अभिभावक अपने बच्चों को अवश्य भेजें ताकि कोई भी बच्चा छूट न पाए। पेट के कीड़े बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा डालते हैं। इस दवा से बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाया जा सकता है।

अतः अभिभावक अपने बच्चों को निर्धारित तिथि पर अवश्य स्कूल/आंगनवाड़ी भेजें और जरूर एल्बेंडाजोल की दवा खिलवाएं। दवा भोजन के साथ या भोजन के बाद ही दें। खाली पेट न दें। एल्बेंडाजोल की गोली पूरी तरह सुरक्षित है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय चरण का मॉप-अप राउंड 14 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। इस दिन जनपद के निजी व सरकारी कुल 5022 स्कूलों और 3004 आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने सभी स्कूलों के अध्यापकों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं से अपील की कि अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

पांच हजार लोगों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, गूंजे देशभक्ति के नारे

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद में राष्ट्रभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सदर विधायक मनीष असीजा, जनप्रतिनिधियों और करीब पांच हजार नागरिकों की मौजूदगी में गांधी पार्क से सदर बाजार तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के इस महान उत्सव को लेकर पूरे जनपद में उत्साह और राष्ट्रभक्ति का माहौल है। ह्यहर घर तिरंगाह्व केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पर्व है। तिरंगा यात्रा में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रही। युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले की ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं और नगर निगम क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे ह्यहर घर तिरंगा अभियानह्व से जुड़कर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान एवं गर्व के साथ तिरंगा फहराएं। साथ ही तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करने का भी आह्वान किया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर शहीदों को नमन किया। उन्होंने सभी से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, महानगर अध्यक्ष सतीश दिवाकर, राष्ट्रीय परिषद सदस्य नानक चंद्र अग्रवाल, नगर आयुक्त प्रशांत नागर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कल्पना जायसवाल, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडे सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

हाथों में तिरंगा झंडा लेकर निकले डीएम और एसपी

- भारत माता की जय जयकार से गूंजायमान हुआ वातावरण
- शहर में निकली गई तिरंगा यात्रा में गूंजे राष्ट्र भक्ति के तराने

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को कासगंज में देशभक्ति का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। डीएम और एसपी के संयुक्त नेतृत्व में स्कूली छात्र-छात्राओं ने शहर में एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। हाथों में तिरंगा और मां भारती की जय जयकार के स्वर वातावरण को राष्ट्र भक्ति से प्रेरित कर रहे थे। यात्रा का शहर के प्रमुख बाजारों एवं मार्गो से निकला गया।

तिरंगा यात्रा भारतीय स्टेट बैंक की सोरों गेट शाखा से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख चौराहों व मार्गो से गुजरती हुई आजाद गांधी इंटर कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुई,अधिकारियों ने स्वयं पैदल चलकर बढ़ाया उत्साह तिरंगा यात्रा को जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं पैदल चलकर छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। यात्रा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर समेत कई प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। यात्रा के समापन पर डीएन प्रणय सिंह एवं एसपी ओपी सिंह ने यात्रा में शामिल हुए लोगों का आभार व्यक्त किया।

गंजडुंडवारा में नगर पालिका की तिरंगा यात्रा में गूंजे देशभक्ति के नारे

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गंजडुंडवारा।

- प्रभारी ईओ एवं एसडीएम मोहम्मद नासिर के नेतृत्व में निकली यात्रा
- पालिकाध्यक्ष समेत पालिका कर्मियों ने लिया हिस्सा

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा की ओर से गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रभारी अधिशासी अधिकारी एवं एसडीएम मोहम्मद नासिर के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा में नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा नगर पालिका परिसर से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में लहराते तिरंगे आकर्षण का केंद्र रहे। रास्ते भर देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीरों एवं शहीदों को याद करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

प्रभारी अधिशासी अधिकारी एवं एसडीएम मोहम्मद नासिर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है, जिनके त्याग के कारण देश को आजादी मिली।पालिकाध्यक्ष मुनब्बर हुसैन ने कहा कि तिरंगा देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

इस तरह के आयोजनों से नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना मजबूत होती है और उन्हें स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की जानकारी मिलती है। तिरंगा यात्रा में पालिकाध्यक्ष मुनब्बर हुसैन, अजहर हुसैन, सुमित विजयवर्गीय, तसलीम अहमद, नरेश पाल, तारिक महमूद, शिवम, वसीम, याकूब, गुड्डू सहित नगर पालिका के कर्मचारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मातृशक्ति की सहभागिता से गूंजेगा राष्ट्रभक्ति का संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कासगंज में 14 अगस्त को महिला तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं एवं मातृशक्ति उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करेंगी।

राज्य महिला आयोग की सदस्या रेनू गौड़ द्वारा अवगत कराया गया है कि महिला तिरंगा यात्रा प्रातः 9:30 बजे प्रभु पार्क से प्रारंभ होकर अंबेडकर पार्क तक जाएगी। यात्रा का उद्देश्य महिलाओं में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को और अधिक मजबूत करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना है। तिरंगा देश के गौरव, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक है।

महिला तिरंगा यात्रा के माध्यम से जनपद में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनसहभागिता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक मातृशक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या ने भाग लेने की अपील की है। महिला तिरंगा यात्रा के माध्यम से जनपद में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनसहभागिता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक मातृशक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या ने भाग लेने की अपील की है।

स्वतंत्रता दिवस पर जिले की आबकारी दुकानें बंद रहेंगी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

पंद्रह अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर जिले भर की शराब, वियर, मॉडल शॉप बंद रहेंगे। डीएम ने सभी अनुज्ञपियों को आदेश के पालन के निर्देश दिए हैं । डीएम प्रणय सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार 15 अगस्त को जनपद की सभी देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप, भांग तथा मदिरा की फुटकर दुकानों के साथ-साथ संबंधित थोक अनुज्ञापनों से मादक पदार्थों की बिक्री पूर्णतः बंद रहेगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कानून-व्यवस्था एवं शासन के निर्देशों के अनुपालन में यह निर्णय लिया गया है।

देशभक्ति के रंग में रंगा श्री गणेश इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम

छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

- तिरंगा कॉन्सर्ट कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन, प्रतिभागी किए गए पुरस्कृत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

बुधवार को श्री गणेश इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में तिरंगा कॉन्सर्ट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पीएसी बैंड वादन के साथ हुआ। जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने कहा कि राष्ट्रप्रेम केवल भावनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमारे आचरण, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों में भी दिखाई देना चाहिए। तिरंगा हमें देश की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति अपने दायित्वों का निरंतर स्मरण कराता है। कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने फोटो क्लिक कराकर कार्यक्रम की यादों को संजोया। ऑडिटोरियम में देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पर्यटन अधिकारी, श्री गणेश इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, सहित संबंधित अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना के साथ हुआ।

आरपीएफ और जीआरपी ने चलाया जागरूकता और चेकिंग अभियान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- स्टेशन और ट्रेन की बोगियों में की चेकिंग,ली तलाशी
- यात्रियों को सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

रेलवे सुरक्षा बल व जीआरपी ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा के सम्बंध में मीटिंग किया गया और स्टेशन परिसर में उपस्थित यात्रियों एवं आमजन को रेल सुरक्षा, यात्री सुरक्षा एवं स्वच्छता नियमों के संबंध में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान यात्रियों को बताया गया कि चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने, सीढ़ी एवं पायदान पर यात्रा न करने। रेलएवं रेल परिसर में धूम्रपान एवं मद्यपान न करने। स्टेशन एवं रेल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने एवं गंदगी न फैलाने। बिना उचित कारण चेन पुलिंग न करने। रेलवे संपत्ति को नुकसान न पहुँचाने। जहरखुरानी अपराध से बचाव हेतु अनजान व्यक्ति से खाद्य/पेय पदार्थ ग्रहण न करने। रेलवे ट्रैक पार न करें।

यात्रियों को उपरोक्त नियमों के कानूनी प्रावधान, सुरक्षा लाभ एवं उल्लंघन की स्थिति में संभावित दण्डात्मक परिणामों की जानकारी भी प्रदान की गई।

शहीद हवलदार की अस्थियां सोरों हरि पदी गंगा में विसर्जित

- सात वर्षीय बेटे अमन ने किया पिंडदान
- बीती तीन अगस्त को ड्यूटी के दौरान हुए थे शहीद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में तैनात बीएसएफ के शहीद हवलदार दयाराम गुर्जर की अस्थियां गुरुवार को तीर्थनगरी सोरों शूकर क्षेत्र स्थित हरिपदी आदि गंगा में विधि-विधान के साथ विसर्जित की गईं। शहीद के 7 वर्षीय पुत्र अमन ने हरिपदी पर पिंडदान एवं अस्थि विसर्जन की धार्मिक रस्में पूरी कीं।

तीर्थ पुरोहित गोपाल भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पिंडदान एवं अस्थि विसर्जन का कार्यक्रम संपन्न कराया। शहीद दयाराम गुर्जर जैसे वीर सपूत ने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी आत्मा की शांति और परिवार को इस कठिन समय में संबल मिले, यही प्रार्थना है। सात वर्षीय बेटे अमन द्वारा पिता का पिंडदान करना बेहद भावुक कर देने वाला क्षण रहा।ह्वअस्थि विसर्जन के लिए शहीद के परिजनों में चाचा शिवराम, रामबरन, माता बबली और बुआ सुफेदी सहित अन्य परिजन सोरों पहुंचे। हरिपदी के तट पर धार्मिक अनुष्ठान के दौरान परिवार का माहौल बेहद गमगीन रहा। परिजनों और मौजूद लोगों ने नम आंखों से शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बताया गया कि हवलदार दयाराम गुर्जर (36 वर्ष) जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में बीएसएफ में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान 3 अगस्त 2026 को वह शहीद हो गए थे। इसके बाद बीएसएफ जवानों ने उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई दी थी।

सोरों की पवित्र हरिपदी आदि गंगा में अस्थि विसर्जन के साथ शहीद हवलदार दयाराम गुर्जर को अंतिम श्रद्धांजलि दी गई।

मां भारती के वीर सपूत को शत-शत नमन।

सलेमपुर रोड स्थित डेयरी पर गाड़ी से उतारा जा रहा था नकली पनीर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

बुधवार देर रात खाद्य सुरक्षा विभाग को टीम ने एक डेयरी पर गाड़ी से उतारा जा रहा निकली पनीर जब्त किया है, मामले में डेयरी संचालक के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जो रही है।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद कुमार देव एवं सहायक खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रतिभा त्रिपाठी को सूचना मिली कि एक चार पहिया लोडिंग वाहन से नकली पनीर अलीगढ़ की तरफ से खफाने के लिए कासगंज लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम गाड़ी की तलाश में निकल पड़ी, गाड़ी का पीछा करती हुए टीम सलेमपु रोड पर पहुंची जहां देखा कि उक्त गाड़ी से निकली पनीर उतारा जा रहा है।

टीम ने मौके पर बड़ी मात्रा में निकली पनीर को जब्त कर लिया। उसके सैंपल संग्रह कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। डेयरी संचालक के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण

छापेमार कार्यवाही और अनियमितताओं पर कड़ी निगरानी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह के निर्देशानुसार जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में जनपद में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी, ओवररेटिंग एवं अनियमित बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि विभाग की टीमों द्वारा विभिन्न उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों एवं सहकारी समितियों का सघन आकस्मिक निरीक्षण एवं आवश्यक कार्यवाही की गई।

निरीक्षण के दौरान कृभको अलीगंज रोड, केन्द्रीय थोक उपभोक्ता भण्डार मंडी समिति, इफको मंडी समिति, कन्हैया ट्रेडर्स, देवेन्द्र सिंह ट्रेडर्स, किसान सेवा केन्द्र हरचन्दपुर कला तथा अनुज ट्रेडर्स आसपुर-सकीट सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों के अभिलेख, उर्वरक बिक्री रजिस्टर, स्टॉक एवं निर्धारित दर का परीक्षण किया गया। अधिकांश प्रतिष्ठानों पर उर्वरक बिक्री रजिस्टर में किसान की फार्मर आईडी एवं उर्वरक की दर अंकित पाई गई। निरीक्षण के दौरान आवश्यकतानुसार उर्वरकों के नमूने भी लिए गए।

इसके अलावा सभी सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि किसानों को उनकी पात्रता एवं निर्धारित मात्रा के अनुसार ही उर्वरक उपलब्ध कराएं तथा बिक्री केवल निर्धारित दर पर ही सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि उर्वरक के साथ किसी अन्य उर्वरक, बीज अथवा कीटनाशक की टैगिंग या अनावश्यक सामग्री लेने के लिए बाध्य करना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

जिला कृषि अधिकारी मनवीर सिंह ने बताया कि जनपद में वर्तमान में लगभग 21,618 मीट्रिक टन यूरिया, 10,497 मीट्रिक टन डीएपी तथा एनपीके सहित अन्य उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अतः किसान भाई किसी प्रकार की अग्रिम खरीद अथवा भंडारण न करें तथा अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही नियमानुसार उर्वरक क्रय करें। किसानों से अपील है कि उर्वरक खरीदते समय फार्मर रजिस्ट्री एवं खतौनी साथ रखें।

जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री किसी कारणवश नहीं बन पाई है अथवा जिनका क्षेत्र चकबंदी प्रक्रिया में है, ऐसे किसानों को नियमानुसार खतौनी के आधार पर निर्धारित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। किसी भी पात्र किसान को केवल फार्मर रजिस्ट्री उपलब्ध न होने के कारण उर्वरक से वंचित नहीं किया जाएगा।

जिला कृषि अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी, अनियमित भंडारण, टैगिंग अथवा किसी भी प्रकार के नियम उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी। कृषि विभाग द्वारा उर्वरक प्रतिष्ठानों की निरंतर सघन जांच एवं निगरानी आगे भी जारी रहेगी। किसानों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, निरंतर जनपद में उर्वरक की रैक आ रही है।

आज शहर निकली जाएगी महिला तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे, कासगंज। हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कासगंज में 14 अगस्त को महिला तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं एवं मातृशक्ति उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करेंगी। राज्य महिला आयोग की सदस्या रेनू गौड़ द्वारा अवगत कराया गया है कि महिला तिरंगा यात्रा प्रात: 9:30 बजे प्रभु पार्क से प्रारंभ होकर अंबेडकर पार्क तक जाएगी। यात्रा का उद्देश्य महिलाओं में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को और अधिक मजबूत करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना है। तिरंगा देश के गौरव, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक है। 14 अगस्त को शहर निकली जाएगी महिला तिरंगा यात्रा

रजवाहे में युवक का शव मिलने से सनसनी

टीएनएफ टुडे, कासगंज। गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के ग्राम नगला खुमानी और पचपोखरा रजवाहे के किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बुधपाल पुत्र स्वर्गीय रक्षपाल, निवासी मगदपुर, थाना ढोलना, जनपद कासगंज के रूप में हुई बुधपाल पिछले करीब 15 वर्षों से कमरुल हसन दूधिया पुत्र खलील निवासी पचपोखरा के यहां रहकर नौकर के रूप में काम करता था। बुधपाल नशे का आदी था और उसे मिर्गी के दौरे भी आते थे। बताया गया कि बुधवार दोपहर करीब दो बजे वह जंगल से घास लेकर कमरुल हसन के यहां डालने के बाद घर से चला गया था। इसके बाद शाम को रजवाहे के किनारे उसका शव पड़ा मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले ने कोई मुकद्दमा दर्ज नहीं हुआ है

अलीगढ़ जेल में पढ़ी जाएंगी स्वाधीनता सेनानियों की गाथाएं

अलीगढ़। किसी भी जनपद के युवाओं को अपने क्षेत्र के स्वाधीनता समर के सेनानियों की गाथाओं का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। उक्त विचार अलीगढ़ जेल के सुप्रिंटेंडेंट पंकज कुमार सिंह ने स्वतंत्रता दिवस से पूर्व, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों से मुलाकात के बीच व्यक्त किए।साथ ही कहा कि जेल के पुस्तकालय में कैदियों के पढ़ने के लिए संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें रखवाई जाएंगी। अलीगढ़ जेल प्रशासन के आमंत्रण पर अन्य साथियों संग पहुंचे आजादी का अमृत महोत्सव के जनपद कॉर्डिनेटर सुरेंद्र शर्मा ने आजादी से पूर्व सन 1807 से लेकर आजादी उपरांत तक अलीगढ़ के क्रांतिकारियों की गाथाओं की जानकारी देते हुए जेल प्रशासन को ष स्वाधीनता के महासमर में मातृ शक्ति और साधु संतों का योगदान पुस्तकें भेंट की।जिन्हें अब जेल में निरुद्ध कैदी भी पढ़ सकेंगे। इस दौरान जेलर विकास कटियार, फार्मासिस्ट आनंद पांडे, संजय शर्मा, पंकज धीरज, मुकेश भारद्वाज , रजनी तोमर , विनय शर्मा, धर्मवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

पालतू कुत्ते की हत्या में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना हरदुआगंज क्षेत्र में 6 अगस्त 2026 को एक पालतू कुत्ते की हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त .32 बोर की लाइसेंसी रिवाल्वर भी बरामद की है। आरोपी ने एक व्यक्ति पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग की थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। गोली लगने से उसके पालतू कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना मे मामले में घायल की तहरीर पर थाना हरदुआगंज में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, आरोपी विश्वजीत उर्फ विशू पुत्र भूरी सिंह निवासी धनीपुर मंडी थाना गांधी पार्क, अलीगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है।

सेठ हरचरण दास गर्ल्स इंटर कॉलेज में 325 छात्राओं ने नशे के खिलाफ ली शपथ

हाथरस। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आबकारी विभाग, हाथरस की ओर से सेठ हरचरण दास गर्ल्स इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 325 छात्राओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्राओं को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई गई।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं ने सजाई देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगोली

हाथरस। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत सहपऊ स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के बीच रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए तिरंगे और राष्ट्रभक्ति के संदेशों से सजी आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियां बनाईं। प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी रचनात्मक कला, कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे रंगों से तैयार रंगोलियों में तिरंगे के साथ देशभक्ति से जुड़े विभिन्न संदेशों को आकर्षक ढंग से उकेरा गया। कार्यक्रम में विद्यालय की अध्यापिकाओं के साथ नगर पंचायत सहपऊ की अध्यक्ष भी मौजूद रहीं।

तिरंगे के साथ सड़कों पर उतरीं महिला पुलिसकर्मी, स्कूटी रैली से दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज से डीआरबी इंटर कॉलेज तक भव्य तिरंगा स्कूटी रैली निकाली। सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर एवं सिकंदराराऊ विधायक वीरेंद्र सिंह राणा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।

रैली में महिला पुलिसकर्मी हाथों में तिरंगा लेकर स्कूटी पर सवार होकर निकलीं। इस दौरान हर घर तिरंगा, भारत माता की जय और देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों से वातावरण गूंज उठा। महिला पुलिसकर्मियों की रैली ने नारी शक्ति, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल एवं सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, देशभक्ति गीत, नृत्य, लोकगीत तथा स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर देशभक्ति और भारतीय संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय परिवार एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एमआरओ टीकाकरण अभियान को शत प्रतिशत बनाएं सफल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- 18 से 28 अगस्त तक, जनपद भर में अभियान चलाकर लगाए जाएंगे टीके

जिले में एमआरओ टीकाकरण अभियान का संचालन 18 अगस्त से 28 अगस्त तक किया जाएगा। अभियान के सफल संचालन के लिए डीएम की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सभी अधिकारियो को अभियान की रूपरेखा एवं तैयारियों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान पूर्व में आयोजित एमआरओ टीकाकरण अभियान में छूटे हुए बच्चों को विशेष रूप से चिन्हित कर टीकाकरण से आच्छादित किया जाएगा। जनपद के सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों, विद्यालयों एवं मदरसों में अध्ययनरत कक्षा-1 से कक्षा-5 तक के छूटे हुए बच्चों को एमआरओ वैक्सीन की एक डोज दी जाएगी। 05 से 10 वर्ष आयु वर्ग के सभी छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण 18, 20, 21, 24, 25, 27 एवं 28 अगस्त 2026 को निर्धारित दिवसों पर किया जाएगा। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, समस्त ब्लॉक स्तरीय अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं सहयोगी संस्था के जनपद प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संसद सत्र खत्म: लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन MMDR संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। इधर, विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलोना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है।

इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

संसद में विरोध प्रदर्शन के दौरान जमा किए गए 2.15 लाख रू. दान किए

एसपी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान जमा किए गए 2.15 लाख रू. दिल्ली के हनुमान मंदिर में दान कर दिए। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने गुरुवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित भगवान हनुमान के एक प्राचीन मंदिर में चांदी के सिक्कों के राशि दान की। यह राशि पिछले कुछ दिनों में देश भर के सांसदों ने दान की है।

रिजिजू बोले- सरकार चर्चा चाहती है और विपक्ष बहस से भाग रहा है

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र चर्चा की नजर से अच्छा नहीं रहा। पहली बार ऐसा देखा गया है, जब सरकार संसद में चर्चा चाहती है और विपक्ष बहस से भाग रहा है।
राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को 1:06 घंटे चली। सदन में माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026 पास हुआ। इसके बाद वंदे मातरम हुआ और सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

खड़गे ने कहा- हल्द्वानी में मेरे जाने के बाद स्टेज का शुद्धिकरण किया

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 'मैं हल्द्वानी में था, जहां मैंने रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया। वहां लाखों लोग मौजूद थे। उस समय मैंने किसी समुदाय या धर्म का नाम नहीं लिया, बल्कि सिर्फ सरकार के मुद्दों को दोहराया। लेकिन मेरे भाषण के बाद बीजेपी के लोगों ने वहां उस मंच को शुद्ध करने के लिए हवन किया।'

शाह ने जंतर-मंतर प्रदर्शन पर चर्चा के लिए स्पीकर को लेटर लिखा

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जंतर-मंतर प्रदर्शन पर संसद में चर्चा की पेशकश करते हुए स्पीकर को पत्र लिखा है। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष को शाह का लेक्चर नहीं चाहिए, पहले बताएं कि छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ह्यमैं पूरी तरह निराश हूं। सरकार चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष भाग रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष तैयार हो तो सत्र बढ़ाया जा सकता है।

प्रियंका गांधी के गोमूत्र-एक्सपर्ट वाले बयान के खिलाफ ऑनलाइन मुहिम

IIT मद्रास डायरेक्टर के समर्थन में 38 देशों के साइंटिस्ट समेत 14 हजार लोग साथ आए

एजेंसी, नई दिल्ली।

आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटी को गोमूत्र एक्सपर्ट बताने वाले प्रियंका गांधी के बयान पर विवाद बढ़ गया है। उनके खिलाफ एक ऑनलाइन मुहिम शुरू की गई है। इसे 13 अगस्त सुबह 9 बजे तक 14 हजार लोगों का समर्थन मिल चुका है।

यह मुहिम Change.org पर शुरू गई गई है। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मामले का संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही, प्रियंका से कमेंट वापस लेने और माफी की मांग की गई है। 38 से ज्यादा देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इसका समर्थन किया है।

दरअसल, एंटी पेपर लीक बिल पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रियंका ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी का नाम लिए बिना कहा था, सरकार की बनाई नई कमेटी में एक्स-IB चीफ, आईटी कंपनी के मालिक और गोमूत्र के विशेषज्ञ हैं। गोमूत्र विशेषज्ञ को शिक्षा के बारे में क्या पता होगा।

मुहिम शुरू करने वालों ने कहा- ऐसी भाषा से छवि को नुकसान होता है

मुहिम शुरू करने वालों ने इस कमेंट को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताया है। उनका कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, व्यक्तिगत टिप्पणी के जरिए नहीं। आयोजकों का कहना है कि इस तरह की भाषा से एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की छवि को नुकसान पहुंचता है। आयोजकों ने कहा कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, सरकार या विचारधारा के समर्थन या विरोध में नहीं है।

'गले लगाना ही विदेश नीति', राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री विदेश नीति को विदेशी नेताओं से गले मिलने से जोड़कर देखते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन रचनात्मक कांग्रेस में बोलते हुए राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री पर तंज कसा। साथ ही उन्होंने ईरान-अमेरिका युद्ध को लेकर भी भारत की भूमिका को लेकर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने गुरुवार को रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन में कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्हें यह विचार कहां से मिला। अजीब विचार लोगों के दिमाग में आ जाते हैं। वह सोचते हैं कि यही विदेश नीति है।' इसके बाद उन्होंने मंच पर मौजूद कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को गले लगाया। इस पर दीक्षित ने मजाक में पूछा, 'आप मुझे मेलोनी समझकर तो गले नहीं लगा रहे थे?' राहुल गांधी ने जवाब दिया, 'मैं अभी उस स्तर तक नहीं पहुंचा हूं।' इस पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच हंसी गूंज उठी।

'विदेशी नेताओं को गले लगाना ही विदेश नीति'

इसके बाद राहुल गांधी ने फिर प्रधानमंत्री की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि यह विचार कहां से आया कि विदेशी नेताओं को गले लगाना ही विदेश नीति है।

राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर भी मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद भारत के सामने अपनी कूटनीतिक ताकत दिखाने का बड़ा अवसर था।

मोदी सरकार की कूटनीति पर भी उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ईरान भारत का पुराना मित्र रहा है, जबकि अमेरिका और रूस भी भारत के मित्र हैं। ऐसे में भारत इन संबंधों का इस्तेमाल कर वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका मजबूत कर सकता था।
राहुल गांधी के मुताबिक, 'अगर भारत ने अपनी ताकत पहचानी होती और नेता इंदिरा गांधी जैसा होता तो यह दुनिया का सबसे बड़ा अवसर था।'
राहुल ने आरोप लगाया कि भारत इस मौके का फायदा नहीं उठा सका और पाकिस्तान ने उसकी जगह ले ली। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मध्यस्थ बन गया, जबकि भारत और प्रधानमंत्री मोदी केवल देखते रह गए।

चीन को लेकर भी सरकार पर हमला

राहुल गांधी ने चीन के साथ सीमा विवाद और अरुणाचल प्रदेश में गश्त को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी के कार्यालय से सीधे जानकारी मिल रही है और वहां पूरी तरह विद्रोह जैसी स्थिति है।
राहुल ने कहा कि गश्त वाले इलाकों, विशेष रूप से अरुणाचल में, चीन ने भारत को गश्त करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि चीन का कथित तौर पर कहना था कि जमीन भारत की है, लेकिन भारत वहां गश्त नहीं कर सकता।

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष को सौंपी जाएगी इन तीन नामों की सूची, इस दिन होगी सीईओ की घोषणा, एक पर लगेगी मुहर

एजेंसी, अयोध्या।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन की प्रक्रिया अब निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अंतिम साक्षात्कार पूरा होने के साथ सीईओ चयन की गेंद अब सर्च कमेटी के पाले से निकलकर ट्रस्ट के पाले में पहुंचने वाली है। समिति पहले तीन नामों का पैनल तैयार करेगी और उसे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल को सौंपेगी। वहीं, उएड पद के लिए कई सवाल भी पूछे गए हैं, इसके बाद इस पर अंतिम फैसला लिया गया।

इसके बाद ट्रस्ट स्तर पर तीनों नामों पर विचार कर एक उम्मीदवार के चयन का निर्णय लिया जाएगा।

यानी अब 16 उम्मीदवारों की दौड़ सिमटकर तीन नामों तक पहुंचेगी और फिर इन्हीं में से किसी एक को राम मंदिर का पहला सीईओ बनने का अवसर मिलेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक दो सिंतबर को होनी है, पूरी संभावना है कि इस दिन राम मंदिर के पहले सीईओ की घोषणा हो जाएगी।

अंतिम चरण तक पहुंचने वाले उम्मीदवारों में सेना के पूर्व अधिकारी, सेवानिवृत्त आईएएस-आईपीएस अधिकारी और अलग-अलग सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके पेशेवर शामिल हैं।

न्यायपालिका, रक्षा और विज्ञान क्षेत्र के विशेषज्ञों ने लिया साक्षात्कार सर्च कमेटी में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वीके चतुर्वेदी और परमाणु वैज्ञानिक डॉ. सुरेश हावरे शामिल हैं। न्यायपालिका, रक्षा और वैज्ञानिक क्षेत्र के अनुभव वाले इन सदस्यों ने अंतिम साक्षात्कार में उम्मीदवारों की प्रशासनिक दक्षता के साथ नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक सोच, तकनीकी समझ और संस्थागत दृष्टिकोण को परखा। सर्च कमेटी के अनुसार सभी उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुभव और उपलब्धियां रखते हैं। अब चुनौती इन 16 में से ऐसे तीन नाम चुनने की है, जो राम मंदिर जैसी विशाल धार्मिक संस्था की प्रशासनिक और प्रबंधकीय व्यवस्था को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त माने जाएं।

यूएन रिपोर्ट में खुलासा: लाल किले के पास कार धमाके के पीछे अल-कायदा का नया संगठन

एजेंसी, न्यूयॉर्क।

दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए धमाके को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि इस हमले में भारतीय महाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) शामिल था। इस धमाके में 11 लोगों की जान गई थी।
यूएनएससी के विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की यह 38वीं रिपोर्ट है। रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब एक बिखरा हुआ संगठन नहीं रहा। वह एक क्षेत्रीय आतंकी संगठन के तौर पर आगे बढ़ रहा है।
रिपोर्ट के मुताबिक, एक्यूआईएस ने अपने काम के लिए सामान पहुंचाने और पैसे से जुड़े नेटवर्क बनाए हैं। संगठन बड़े समूहों की जगह छोटे और अलग-अलग सेल के जरिये काम कर रहा है। रिपोर्ट में साफ तौर पर नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए हमले के लिए एक्यूआईएस को जिम्मेदार बताया गया है। इसमें यह भी चिंता जताई गई है कि एक्यूआईएस बांग्लादेश का इस्तेमाल वहां अपने आतंकी ठिकाने बनाने के लिए करने की कोशिश कर रहा है।

पहले किस आतंकी संगठन का आया था नाम?

लाल किले के पास धमाके के लिए एक्यूआईएस का नाम सामने आना इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट में इस हमले के तार जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए बताए गए थे।

जहां ठाकुर रोशन सिंह ने दी शहादत, उसी जगह के नामकरण की मांग पर नौवें दिन भी धरना जारी

प्रयागराज में एसआरएन अस्पताल के नामकरण को लेकर आंदोलन जारी, नौवें दिन सैकड़ों चिकित्सकों-कर्मचारियों ने दी श्रद्धांजलि

- प्रयागराज: एसआरएन अस्पताल के नामकरण की मांग को लेकर नौवें दिन भी जारी रहा अनिश्चितकालीन धरना

टीएनएफ टुडे, प्रयागराज।

मोतीलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मंडलीय चिकित्सालय स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन अस्पताल) का नाम बदलकर 'अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह' के नाम पर रखने की मांग को लेकर महुआ डाबर संग्रहालय परिवार के तत्वावधान में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को नौवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन को लेकर प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिस स्थान पर ठाकुर रोशन सिंह ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उसी स्थान की पहचान उनके नाम से होनी चाहिए।

सैकड़ों चिकित्सक-कर्मचारी पहुंचे, शहीद को दी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि

गुरुवार को अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान स्थल पर मोतीलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज और मंडलीय चिकित्सालय 'स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल' के सैकड़ों चिकित्सक और कर्मचारी पहुंचे। सभी ने सिर झुकाकर महान क्रांतिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कहा गया कि ठाकुर रोशन सिंह ने इसी स्थान पर हंसते-हंसते देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

मलाका जेल में दी गई थी ठाकुर रोशन सिंह को फांसी

गौरतलब है कि इसी मलाका जेल में अंग्रेजी हुकूमत ने काकोरी केस के अमर नायक ठाकुर रोशन सिंह को फांसी दी थी। करीब आठ महीने तक वह फांसीघर के पास स्थित काल कोठरी में कैद रहे। 19 दिसंबर 1927 की सुबह उन्होंने फांसी का फंदा चूमकर देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए और अमर हो गए।

धरनारत लोगों का कहना है कि ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान के करीब 20 वर्ष बाद देश आजाद हुआ, लेकिन आजादी के बाद उनके बलिदान स्थल को ही भुला दिया गया।

'बलिदान स्थल का नाम शहीद के नाम से दुनिया में रोशन होना चाहिए'

महुआ डाबर संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि आगामी 19 दिसंबर से ठाकुर रोशन सिंह का बलिदान शताब्दी वर्ष शुरू हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या हम उस महान बलिदानी परंपरा की कीर्ति की रक्षा नहीं कर सकते, जिसने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर देश को स्वतंत्रता की सौगात दिलाई? उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों से जो गलती हुई है, उसे अब तत्काल सुधारा जाना चाहिए। जिस धरती पर शहीद का खून गिरा, उसका नाम शहीद के नाम से दुनिया में रोशन होना चाहिए।

'नौ दिन से शांतिपूर्ण धरना, फिर भी प्रशासन से ठोस बातचीत नहीं'

डॉ. अवनीश सिंह ने कहा कि पिछले नौ दिनों से शांतिपूर्ण धरना चल रहा है, लेकिन जिला प्रशासन और सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी किसी व्यक्तिगत लाभ की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि बलिदान का सम्मान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर, गोंडा और अयोध्या में यदि शहीदों के नाम पर आयोजन हो सकते हैं, तो प्रयागराज की इस पवित्र माटी को क्यों भुलाया जा रहा है?
धरने में प्रमुख रूप से सोनू चौधरी, राबिन सिंह, भूपेश यादव, शिवांग त्रिपाठी, अग्निवेश तिवारी और सूरज सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र, युवा और नागरिक दिनभर मौजूद रहे। आंदोलनकारियों की मांग है कि रफ्छ अस्पताल का नाम बदलकर अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर किया जाए, ताकि जिस स्थान पर महान क्रांतिकारी ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर किए, उसकी पहचान भी उनके बलिदान से जुड़ सके।

डेमोक्रेटिक सांसद लाए नया बिल

ग्रीन कार्ड को मुश्किल बनाने वाले ट्रंप के पब्लिक चार्ज नियम पर रोक की तैयारी

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिका में डेमोक्रेटिक सांसदों ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसका मकसद ऐसे संघीय फंड के इस्तेमाल को रोकना है जो ट्रंप प्रशासन के उस नियम को लागू करने में इस्तेमाल हो सकते हैं, जिससे कुछ सरकारी सहायता लेने वाले प्रवासियों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करना मुश्किल हो सकता है। 'प्रोटेक्ट अमेरिकन वैल्यूज एक्ट' नाम का यह विधेयक बुधवार को सीनेटर माइकल बेनेट, मैजी हिरोनो और कांग्रेसवुमन जूडी चू ने पेश किया। ट्रंप प्रशासन का नया 'पब्लिक चार्ज' नियम 18 सितंबर से लागू होने वाला है।

अंतिम रूप दिए गए इस नियम के तहत 2022 में बाइडेन प्रशासन की ओर से लागू की गई नीति को रद्द कर दिया गया है। उस नीति में कहा गया था कि स्नैप के तहत मिलने वाली खाद्य सहायता, मेडिकेड और आवास सहायता जैसी गैर-नकद सरकारी सुविधाओं को 'पब्लिक चार्ज' के फैसलों में शामिल नहीं किया जाएगा। 'पब्लिक चार्ज' टेस्ट के जरिए इमिग्रेशन अधिकारी यह आकलन करते हैं कि कोई आवेदक भविष्य में सरकारी मदद पर मुख्य रूप से निर्भर हो सकता है या नहीं। यदि अधिकारियों को ऐसा लगता है, तो उस व्यक्ति को अमेरिका में प्रवेश या स्थायी निवासी (ग्रीन कार्ड) का दर्जा देने से इनकार किया जा सकता है।

सांसदों का कहना है कि नए नियम में यह साफ नहीं बताया गया है कि किन सरकारी लाभों को

पब्लिक चार्ज टेस्ट में शामिल किया जाएगा। उनके मुताबिक इससे इमिग्रेशन अधिकारियों को ग्रीन कार्ड आवेदनों की समीक्षा में बहुत अधिक स्वतंत्रता मिल सकती है। सीनेटर माइकल बेनेट ने कहा, यह नियम सीमा सुरक्षा या सरकारी खर्च को बेहतर बनाने के बारे में नहीं है। इसका उद्देश्य उन प्रवासियों को सजा देना है जो सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन बनाना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, प्रोटेक्ट अमेरिकन वैल्यूज एक्ट यह स्पष्ट संदेश देता है कि हमारा देश अपने समुदायों के साथ खड़ा रहेगा और इस प्रशासन की अमानवीय कोशिशों का विरोध करेगा। कांग्रेसवुमन जूडी चू ने कहा कि यह नीति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लागू किए गए 'पब्लिक चार्ज' नियम से भी ज्यादा व्यापक है। उन्होंने कहा, पिछले नियम के विपरीत, इस अंतिम नीति में यह भी नहीं बताया गया है कि किन लाभों को 'पब्लिक चार्ज' टेस्ट में गिना जाएगा। इससे ट्रंप प्रशासन के इमिग्रेशन अधिकारियों को स्पष्ट कानूनी मानकों की बजाय अपने व्यक्तिगत आकलन के आधार पर ग्रीन कार्ड आवेदन खारिज करने की व्यापक शक्ति मिल जाती है।

सांसदों ने चेतावनी दी कि इस अनिश्चितता के कारण कई पात्र प्रवासी सरकारी सहायता लेने से भी बच सकते हैं। उनका कहना है कि इसका असर उन अमेरिकी नागरिकों और कानूनी स्थायी निवासियों पर भी पड़ सकता है जो ऐसे परिवारों में रहते हैं जहां कुछ सदस्य नागरिक हैं और कुछ नहीं। इस विधेयक को 17 अन्य सीनेटरों और प्रतिनिधि सभा के दर्जनों सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल और राजा कृष्णमूर्ति भी इसके सह-प्रायोजकों में शामिल हैं। यह विधेयक संघीय धन का उपयोग इस नियम को लागू करने, संचालित करने या इसके प्रवर्तन के लिए किए जाने पर रोक लगाएगा। पब्लिक चार्ज से जुड़े प्रावधान लंबे समय से अमेरिकी इमिग्रेशन कानून का हिस्सा रहे हैं। हालांकि अलग-अलग सरकारों के दौरान उनकी व्याख्या बदलती रही है, खासकर इस सवाल पर कि स्वास्थ्य, पोषण और आवास जैसी गैर-नकद सुविधाओं को इमिग्रेशन फैसलों में कितना महत्व दिया जाना चाहिए। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पब्लिक चार्ज नीति का दायरा बढ़ाया था। बाद में 2022 में बाइडेन प्रशासन ने इसे सीमित करते हुए कई गैर-नकद सरकारी लाभों को इस मूल्यांकन से बाहर कर दिया। अब नया नियम एक बार फिर इस मुद्दे को अमेरिकी इमिग्रेशन बहस के केंद्र में ले आया है।

ईरान के साथ खड़ा हुआ नॉर्वे?: विदेश मंत्री ने कहा- आत्मरक्षा का अधिकार

एजेंसी, इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे ने उपप्रधानमंत्री इशाक डार के साथ बातचीत की। बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में ईडे ने ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि नॉर्वे के ईरान के साथ कई मुद्दों पर गंभीर मतभेद हैं, लेकिन एक देश के तौर पर ईरान को अपनी रक्षा का अधिकार है।

क्या पाकिस्तान की मध्यस्थता को नॉर्वे का समर्थन मिला?

नॉर्वे के विदेश मंत्री ने अमेरिका-ईरान युद्ध को खत्म करने और शांति स्थापित करने के लिए पाकिस्तान की ओर से की जा रही कोशिशों का समर्थन किया। उन्होंने पाकिस्तान की इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस संकट के दौरान बातचीत के लिए इस्लामाबाद को मंच और मध्यस्थ के तौर पर पेश करना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ईडे ने कहा कि पाकिस्तान की यह कोशिश दुनिया के लिए एक सेवा है। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे उन पश्चिमी देशों में शामिल रहा है, जिन्होंने युद्ध को अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताया है।

क्या पाकिस्तान और नॉर्वे ने क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की?

बैठक में दोनों देशों ने कश्मीर और अफगानिस्तान समेत कई क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इशाक डार ने नॉर्वे के विदेश मंत्री को जम्मू-कश्मीर विवाद और सिंधु जल संधि के स्थगन से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान तथा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

सिद्धियों को देने वाली परमा एकादशी की व्रत कथा, पूजा विधि और महत्व

वर्ष 2023 में 12 अगस्त, दिन शनिवार को परमा एकादशी मनाई जा रही है। यह श्रावण अधिक मास की द्वितीय एकादशी है, जिसे परमा, पुरुषोत्तमी एकादशी के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं यहां समस्त सिद्धियों को देने वाली परमा एकादशी की कथा, पूजन की सरल विधि और इसके महत्व -

व्रत कथा

परमा एकादशी व्रत की कथा के अनुसार पुरातन काल में काम्पिल्य नगर में सुमेधा नामक एक ब्राह्मण रहता था। उसकी स्त्री का नाम पवित्रा था, जो नाम के अनुरूप ही सती और साध्वी थी। परंतु दोनों ही बहुत ही गरीब थे। हालांकि वे बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और सदा अतिथियों की सेवा में तत्पर रहते थे। एक दिन निर्धनता से दुखी होकर ब्राह्मण ने दूर देश में जाने का विचार किया, परंतु उसकी पत्नी ने कहा- 'स्वामी धन और संतान पूर्वजन्म के दान और पुण्य से ही प्राप्त होते हैं, अतः इस बात की चिंता न करें और सभी प्रभु पर छोड़ दें।' फिर एक दिन महर्षि कौडिन्य उनके घर पधारे। दोनों ब्राह्मण दंपति ने यथाशक्ति तन-मन से उनकी सेवा की।
महर्षि ने उनकी गरीब दशा देखकर उन्हें कहा कि- दरिद्रता को दूर करने का बहुत ही सरल उपाय यह है कि तुम दोनों मिलकर अधिक मास में कृष्ण पक्ष की एकादशी का व्रत तथा पंच रात्रि जागरण करो। इस एकादशी का व्रत करने से यक्षराज कुबेर तुम्हें धनाधीश बना है, क्योंकि इसी से हरिशचंद्र राजा हुए हैं। ऐसा कहकर महर्षि कौडिन्य चले गए। इसके बाद सुमेधा और उनकी पत्नी पवित्रा ने यह व्रत विधिवत रूप से किया। इसके बाद प्रातःकाल कहीं से एक राजकुमार अश्व पर चढ़कर आया और उसने इन दोनों धर्मपरायण एवं व्रती दंपत्ति को देखा, देखकर उसे बड़ी दया आई और उसने दोनों को सर्व साधन, संपन्न, सर्व सुख समृद्ध युक्त करके एक अच्छा भवन रहने को दिया। इस तरह दोनों के सभी दुःख दूर हो गए।

सरल पूजा विधि

- अधिक मास की परमा एकादशी व्रत के लिए दशमी तिथि की रात्रि सादा भोजन लें, नमक न खाएं।
- एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में शौचादि से निवृत्त होकर दंतधावन करके 12 कुल्ले सादे पानी से करके शुद्ध हो जाएं।
- सूर्य उदय होने के पूर्व स्नान करके श्वेत स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- भगवान श्री विष्णु के मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करें।
- एकादशी की व्रत कथा पढ़ें।
- आरती करें।
- श्री विष्णु के मंत्रों का जाप करें।
- ईश्वर स्मरण करते हुए दिन व्यतीत करें।
- पारण वाले दिन किसी दूसरे के घर का भोजन ग्रहण न करें।
- भूमि पर सोएं।
- ब्रह्मचर्य व्रत रखें।

महत्व

अधिक मास यानी पुरुषोत्तम महीने के देवता भगवान श्रीहरि विष्णु हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार इस एकादशी के संबंध में माना जाता है कि यह माह श्री विष्णु को प्रिय हैं, क्योंकि उन्होंने ही मलमास के महीने को अधिक/पुरुषोत्तम मास का नाम दिया था, जो कि तीन वर्ष में एक बार आता है। इस दिन भगवान श्री विष्णु की पूजा करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। वैसे तो अधिक मास में शुभ कार्य करने की मनाही हैं, लेकिन इस महीने में धार्मिक कार्य करना शुभ फलदायी माना जाता है। परमा एकादशी व्रत के पूर्व रात्रि यानी दशमी तिथि से एकादशी व्रत के दिन लाल मसूर दाल, चना, शहद, शाक और लहसुन, प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए। यह एकादशी व्रत धन, लक्ष्मी, पुत्र-पौत्रादि का सुख, हर प्रकार की समृद्धि और पुण्य तथा मोक्ष को देने वाली मानी गई है। इसीलिए इस पवित्र महीने में तथा खासकर इस दौरान आने वाली सभी एकादशी तिथि पर व्रत-उपवास आदि रखकर, पूजा-पाठ करने, दान-धर्म देने का विशेष महत्व कहा गया है। इतना ही नहीं पूरे विधि-विधान से इस दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने और उपवास रखने से सभी पापों का नाश भी हो जाता है।

काशी विश्वनाथ में स्वयं वास करते हैं महादेव

काशी विश्वनाथ मंदिर एक हिन्दूओं का एक प्रमुख तीर्थस्थल है यह मंदिर पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर विश्वनाथ व विश्वेश्वर के नाम से भी जाना जाता है जिसका अर्थ है ''ब्रह्मांड का शासक''। यह मंदिर भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के वाराणसी में स्थित है तथा यह मंदिर पवित्र गंगा के पश्चिमी तट पर है। काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थित ज्योति लिंग भगवान शिव के 12 ज्योति लिंग में से है तथा 12 ज्योति लिंगों में से विश्वनाथ को सातवां ज्योति लिंग माना जाता है। यह ज्योतिलिंग काले रंग के पत्थर से बना हुआ है। यह मंदिर वाराणसी के प्रमुख मंदिरों में से एक है। ऐसा माना जाता है सूर्य के पहली किरण इस मंदिर पर पड़ती है।

सनातन धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास में भगवान शिव व माता पार्वती की उपासना करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि श्रावण में साधक को सभी 12 ज्योतिर्लिंग का स्मरण करके भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, जिनके दर्शन के लिए न केवल देशभर से बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त आते हैं। आज हम बात करेंगे भगवान शिव के सातवें प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की, जिनका मंदिर पवित्र मां गंगा के तट पर स्थापित है। काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर को विश्वेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। इस शब्द का अर्थ है ब्रह्मांड का शासक। यह मंदिर 15.5 मीटर ऊंचा है।

विश्वनाथ मंदिर का निर्माण

वर्तमान मंदिर का निर्माण महारानी अहिल्या बाई होल्कर ने वर्ष 1780 में करवाया था। बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने 1853 में 1000 किलो शुद्ध सोने से इसे बनवाया था।

काशी विश्वनाथ मंदिर के खुलने का समय

सुबह 2.30 बजे काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट खुलते हैं, पहली आरती सुबह 3 बजे की जाती है। यहां दिन में पांच बार भगवान शिव की आरती होती है और आखिरी आरती 10.30 बजे की जाती है।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना

किवदंतियों के अनुसार जब भगवान शिव और माता पावर्ती का विवाह हुआ था, तब भोलेनाथ का निवास स्थान कैलाश पर्वत था और पार्वती मां अपने पिता के घर रहती थीं। लेकिन उनका मन यहां नहीं लग रहा था। एक बार जब शिव जी माता पार्वती से मिलने आए तो माता ने उन्हें अपने साथ ले जाने की प्रार्थना की। माता पार्वती की बात मानकर भगवान शिव उन्हें काशी ले आए और तब से यहीं बस गए।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की यह नगरी उनके त्रिशूल की नोक पर बसी हुई है और बाबा विश्वनाथ को विश्वेश्वर यानि विश्व के शासक के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बाबा विश्वनाथ का यह मंदिर युगो-युगांतर से यहां मौजूद है, जिसका उल्लेख महाभारत जैसे पौराणिक वेद-ग्रंथ में किया गया है। लेकिन 11 वीं सदी में राजा हरिश्चन्द्र ने करवाया था। कई महान साधु-संत जैसे आदि गुरु शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस, गोस्वामी तुलसीदास भगवान काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर चुके हैं। बता दें कि इस भव्य धाम की संपदा को लूटने के लिए कई मुगल आक्रान्ताओं ने इस मंदिर पर आक्रमण किया। मंदिर पर आक्रमण और पुनर्निर्माण का क्रम 11 वीं सदी से 15वीं सदी के बीच समय-समय पर चलता रहा।

विश्वनाथ मंदिर के बारे में रोचक तथ्य

- वैदिक पुराणों में बताया गया है कि काशी में भगवान विष्णु के अश्रु गिरे थे, जिससे बिंदु सरोवर का निर्माण हुआ था। साथ ही पुष्कर्णी का निर्माण भी उन्हीं के चिंतन से हुआ था।
- बाबा विश्वनाथ के दर्शन से पहले उनके गण भैरवनाथ के दर्शन को अनिवार्य माना जाता है। मान्यता है कि काशी के कोतवाल अर्थात काल भैरव की अनुमति के बिना दर्शन का फल प्राप्त नहीं होता है।
- काशी को मोक्षदायिनी भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जो मनुष्य यहां शरीर त्यागता है वह सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि कई लोग काशी में अपने जीवन का अंतिम समय व्यतीत करते हैं।
- वाराणसी शहर भगवान शिव के त्रिशूल पर स्थित है ऐसा माना जाता है कि मंदिर का गुंबद सोने का बना है इसी लिये काशी विश्वनाथ मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है।
- पवित्र गंगा नदी में स्नान करने और काशी विश्वनाथ मंदिर में जाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- मंदिर के गर्भगृह में एक मंडप और एक शिवलिंग है। इसे एक चौकोर चांदी की वेदी में स्थापित किया गया है।
- मंदिर परिसर में कालभैरव, भगवान विष्णु और विरुपाक्ष गौरी के मंदिर भी हैं।
- जब पृथ्वी का निर्माण हुआ था, तब सूर्य की पहली किरण काशी पर पड़ी थी।
- इतिहास कहता है इस मंदिर के दर्शन करने आदि शंकराचार्य, संत एकनाथ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि दयानंद और गोस्वामी तुलसीदास भी आए थे।

वर्तमान में काशी विश्वनाथ मंदिर

वर्तमान समय में भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए जिस मन्दिर में लाखों की संख्या में लोग आते हैं, उसका निर्माण वर्ष 1780 में महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था और फिर कई राजाओं ने इस मंदिर में पूजा-पाठ और दान किया था।

विश्वनाथ मंदिर का इतिहास

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव देवी पार्वती से विवाह करने के बाद कैलाश पर्वत पर आए थे। उसी समय, देवी पार्वती अपने पिता के घर पर रह रही थीं जहाँ उनकी तबीयत बिल्कुल ठीक नहीं थी। एक दिन देवी पार्वती ने भगवान शिव से उन्हें अपने घर ले जाने के लिए कहा। भगवान शिव देवी के साथ सहमत होकर उन्हें काशी ले आए और विश्वनाथ-ज्योतिर्लिंग के रूप में यहां खुद को स्थापित किया।
इस मंदिर का उल्लेख महाभारत और उपनिषदों में भी मिलता है। इस मंदिर का निर्माण किसने करवाया था इसके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। वर्ष 1194 में, मुहम्मद गोरी द्वारा इस मंदिर को लूटने के बाद, इसे ध्वस्त कर दिया गया था। इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था लेकिन जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने इसे फिर से ध्वस्त कर दिया। इतिहासकारों के अनुसार, विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार अकबर के नौरत्नों में से एक राजा टोडरमल ने करवाया था। उन्होंने अकबर के आदेश पर नारायण भट्ट की मदद से वर्ष 1585 में इसका जीर्णोद्धार करवाया। 1669 में औरंगजेब ने एक फरमान जारी किया। जिसके बाद उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाने का आदेश दिया। वहीं कुछ इतिहासकारों के अनुसार ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण 14वीं शताब्दी में जौनपुर के शर्की सुल्तानों ने विश्वनाथ मंदिर को तोड़कर किया था। लेकिन कई इतिहासकार इससे इनकार करते हैं।

भीमाशंकर

यहां शिव के पसीने से निकली है नदी

ज्योतिर्लिंग में छठा स्थान भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का आता है.महाराष्ट्र से थोड़ी दूर सहाद्रि नामक पर्वत स्थिति भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का संबंध रावण के भाई कुंभकरण के बेटे से है. शिव पुराण में उल्लेख मिलता है कि भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग में सूर्योदय के बाद जो भी सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा अर्चना करता है उसे उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है.
शंकर जी के पसीने से निकली नदी भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है. यहां शिवलिंग का आकार काफी मोटा है इसलिए इसे मोटेश्वर महादेव कहा जाता है. इस मंदिर के समीप एक नदी बहती है, जिसका नाम भीमा नदी है. यह नदी आगे जाकर कृष्णा नदी में मिलती है. शिव पुराण के अनुसार यहां राक्षस भीमा और भगवान शंकर के बीच भयंकर युद्ध हुआ था. इसमें शिव के शरीर निकले पसीने की बूंद से ही भीमारथी नदी का निर्माण हुआ है.

भीमाशंकर से है कुंभकरण के बेटे का संबंध

त्रेतायुग में रावण के भाई कुंभकर्ण का एक पुत्र था भीमा. भीमा का जन्म कुंभकर्ण की मृत्यु के बाद हुआ, जब उसे ज्ञात हुआ कि उसके पिता का वध भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम ने किया है तो वह क्रोधित हुआ. भगवान विष्णु से बदला लेने के लिए ब्रह्मा को तप कर प्रसन्न कर लिया. ब्रह्मा जी के वरदान से भीमा बहुत शक्तिशाली हो गया और देवलोक पर अपना राज्य स्थापित कर लिया.

शिव ने किया भीमा का विनाश

संसार को इस राक्षस से बचाने के लिए राजा कामरूप शिव जी भक्ति करने लगे. भीमा को जब ये पता चला तो उसने राजा को कारागार में डाल दिया. राजा वहां भी शिवलिंग बनाकर पूजा करने लगा, क्रोध में आकर भीमा ने जैसे ही तलवार से शिवलिंग को तोड़ने का प्रयास किया, स्वंय शिव जी प्रकट हो गए. भीम और शिव जी के बीच भंयकर युद्ध हुआ और उसमें महादेव की हुंकार से भीमा का विनाश हो गया. इसके बाद सभी देवताओं ने महादेव से इसी स्थान पर शिवलिंग रूप में निवास करने को कहा, तब से ही यहां शिव को भीमाशंकर के नाम से पूजा जाता है.

सूर्योदय के बाद पूजा करने से मिलती है हर पाप से मुक्ति

महादेव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग. यह ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पुणे से 110 किलोमीटर दूर स्थित है. यहां के स्थानीय लोग इस मंदिर को मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जानते हैं. इस मंदिर का ये नाम पड़ने के पीछे इस मंदिर के ज्योतिर्लिंग का काफी बड़ा और मोटा होना है. भोलेनाथ के 12 ज्योतिर्लिंगों में से भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग छटा ज्योतिर्लिंग माना गया है. मान्यता के अनुसार इन 12 जगहों पर भगवान शिव ने स्वयं प्रकट होकर दर्शन दिए थे.
भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पुणे जिले से 110 किलोमीटर दूर स्थित है. भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के बारे में 1 रोचक तथ्य है कि भारतवर्ष में भीमाशंकर नाम के दो प्रसिद्ध मंदिर थे. एक महाराष्ट्र के पुणे में दूसरा आसाम के कामरूप जिले में स्थित है.
मान्यताओं के अनुसार महाराष्ट्र के भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के मंदिर का निर्माण छत्रपति महाराज शिवाजी ने करवाया था.

- शिव पुराण में उल्लेख मिलता है कि भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग में सूर्योदय के बाद जो भी सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा अर्चना करता है उसे उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है. इसके अलावा पुराणों में यह भी उल्लेख है कि राक्षस भीमा और भगवान शंकर के बीच हुई लड़ाई से भगवान शिव के शरीर से निकले पसीने की बूंद से ही भीमारथी नदी का निर्माण हुआ है.
- भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पर्वत पर स्थित है रोचक बात यह है कि यहां इन पहाड़ियों के आसपास जंगलों में जो वनस्पतियां पाई जाती हैं वह भारतवर्ष में अन्य कहीं पर भी नहीं मिलती और यहां कई प्रकार के प्राणियों की दुर्लभ प्रजातियां भी है.
- भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग वर्षा ऋतु में पूरी तरह से जल में डूब जाता है. इस मंदिर के पास ही कमलजा मंदिर भी है जो कि भारत वर्ष में बहुत प्रसिद्ध मंदिर माना गया है. कमलजा माता को माता पार्वती का अवतार ही माना जाता है.

श्रीलंका बनाम भारतः गेंदबाजी कोच मोकल ने दिए संकेत

गॉल टेस्ट में भारत बाएं हाथ के तीन स्पिनर्स उतार सकता है

एजेंसी, ३।

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने संकेत दिए हैं कि श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाले पहले टेस्ट में भारत बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतार सकता है क्योंकि कुलदीप यादव, मानव सुथार और रवींद्र जडेजा की गेंदबाजी में अलग-अलग तरह की विविधता और विकेट लेने की क्षमता है।

कुलदीप अपनी बाएं हाथ की कलाई की स्पिन से बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता रखते हैं, जडेजा की सटीक गेंदबाजी बड़े से बड़े बल्लेबाज को परेशान कर सकती है जबकि सुथार पारंपरिक शैली की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी की याद दिलाते हैं।

'कुलदीप का अनुभव बेहद महत्वपूर्ण'

मोर्कल ने मीडिया से कहा, 'कुलदीप हमारे साथ हैं और वह आक्रामक गेंदबाज हैं। उनका अनुभव और स्तर हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मेरे ख्याल से ये सभी अपनी-अपनी तरह से अलग हैं।' उन्होंने कहा, 'एक (सुथार) गेंद को थोड़ा ज्यादा टर्न कराता है, एक (जडेजा) थोड़ा अधिक सटीक है और मुझे नहीं लगता कि तीन बाएं हाथ के स्पिनरों का होना हमारे लिए कोई बड़ी चिंता है।'

'हमारे पास २० विकेट लेने की क्षमता'

मोर्कल ने कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करेगा कि (कप्तान) शुभमन गिल निश्चित समय पर इन गेंदबाजों का किस तरह इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कौशल की बात करें तो इन सभी में हमारे लिए 20 विकेट लेने की क्षमता है।' मोर्कल ने कहा कि भारत का स्पिन आक्रमण उसे बेहद आक्रामक विकल्प देता है, विशेषकर गॉल की पिच को देखते हुए जिस पर मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है।

'तीन स्पिनर्स को उतारना सही फैसला होगा'

उन्होंने कहा, 'अगर आप परंपरागत रूप से इस मैदान को देखें और यहां मैच किस तरह खेले गए हैं तो मुझे लगता है कि तीन स्पिनरों के साथ उतरना सही रास्ता है। हमारे स्पिन आक्रमण को देखें तो यह बहुत आक्रामक विकल्प है।' इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'लेकिन सतह को देखते हुए मुझे यह अच्छी पिच लग रही है और मेरा मानना है कि टेस्ट आगे बढ़ने के साथ इसमें कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे।'

'टीम हर परिस्थिति के लिए तैयार'

मोर्कल ने कहा कि टीम ने हर तरह की परिस्थितियों के लिए तैयारी की है और इन परिस्थितियों में मानसिक मजबूती, लंबे समय तक बल्लेबाजी, सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण होगा। अनुभवी मोहम्मद सिराज के अलावा भारत को तेज गेंदबाजी में गुरनूर बरार या प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनना होगा, जिनके पास टेस्ट क्रिकेट का सीमित अनुभव है।

प्रसिद्ध या गुरनूर किसे मिलेगा मौका?

मोर्कल ने कहा कि प्लेइंग-11 में प्रसिद्ध या बरार में से जिसे भी जगह मिलेगी वह जिम्मेदारी निभाने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा, 'यह रोमांचक है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी खेला है, जहां गेंदबाजी की परिस्थितियां भी मुश्किल होती हैं। यहां आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती गर्मी और उमस होगी।' मोर्कल ने कहा, 'कूकाबुरा गेंद के नरम होने के बाद हमें लगातार ओवर किस तरह तेजी के साथ करने हैं और दबाव बनाना है यह महत्वपूर्ण होगा। इसलिए पिछले एक सप्ताह में मैंने जो देखा है उससे मैं काफी उत्साहित हूं कि ये खिलाड़ी किस तरह चुनौती का सामना करते हैं।'

'क्रीज के इस्तेमाल पर लगाना होगा ध्यान'

उन्होंने कहा, 'यह सब आपके मानसिक दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। अगर आप तेज गेंदबाज हैं तो 20 से 35 ओवर के बाद गेंद नरम हो जाएगी लेकिन उसके बाद हमारा अगला कदम क्या होगा?' मोर्कल ने कहा, 'हमें यह समझदारी दिखानी होगी कि क्रीज का किस तरह इस्तेमाल करना है और शॉर्ट गेंद का किस तरह उपयोग करना है। इन सभी परिस्थितियों और स्थितियों में हमें तेजी से फैसले लेने, उन्हें अमल में लाने और पूरी ऊर्जा के साथ गेंदबाजी करने में सक्षम होना होगा।'

बांग्लादेश के नाम रहा डार्विन टेस्ट का पहला दिन, ऑस्ट्रेलिया की हालत खस्ता

एजेंसी, डार्विन।

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मुकाबला डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से बांग्लादेश के नाम रहा। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 198 रनों पर समेटने के बाद बांग्लादेश ने सिर्फ एक विकेट खोकर 96 रन बना लिए हैं। पहली पारी में बांग्लादेश की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और शादमान इस्लाम 30 गेंदों का सामना करने के बाद 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तंजीद हसन तमीम और मोमिनुल हक ने मोर्चा संभाला और दिन का खेल खत्म होने तक टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। दूसरे विकेट के लिए दोनों मिलकर 60 रनों की अटूट साझेदारी निभा चुके हैं। तंजीद 67 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि मोमिनुल 49 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 35 रन बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एकमात्र विकेट मिचेल स्टार्क ने चटकाया है।

इससे पहले, बांग्लादेश के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम को पहली पारी में 198 रनों पर समेटा। ट्रेविस हेड और जैक वेदराल्ड ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। हेड 22 रन बनाकर हसन महमूद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए, जबकि वेदराल्ड 23 रन ही बना सके। मार्नस लाबुशेन एक रन बनाने के बाद इबादत हुसैन का शिकार बने। कैमरून ग्रीन 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

वहीं, एलेक्स कैरी 19 और ब्यू वेबस्टर 12 रन बनाकर आउट हुए, हालांकि स्टीव स्मिथ एक छोर को संभालकर खड़े रहे और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। स्मिथ 109 गेंदों का सामना करने के बाद 71 रन बनाकर हसन महमूद की गेंद पर लिटन दास को कैच देकर आउट हुए।

कप्तान पैट कमिंस 9 ही रन बना सके, तो मिचेल स्टार्क (1 रन) और नाथन लायन (7 रन) भी बल्ले से कुछ खास योगदान नहीं दे सके। जोश हेजलवुड 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 55 रन देकर 6 विकेट निकाले, जबकि तस्कीन अहमद और इबादत हुसैन ने दो-दो विकेट चटकाए।

मनोरंजन

प्रियंका ने साझा की श्रीदेवी की बायोग्राफी 'एम्प्रेस' की पहली तस्वीर, लिखा 'आपकी बहुत याद आती है'

दिग्गज दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की आज 63वीं बर्थ एनिवर्सरी है। इस मौके पर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी के जीवन और विरासत पर लिखी गई बायोग्राफी 'एम्प्रेस' से जुड़ी जानकारी साझा की।

प्रियंका चोपड़ा ने क्या लिखा?

प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रीदेवी को लेकर एक स्टोरी शेयर की। उन्होंने स्टोरी में अभिनेत्री के जीवन पर आधारित बायोग्राफी 'एम्प्रेस' का कवर फोटो शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'असीमित प्रतिभाशाली एक्ट्रेस, आपकी बहुत याद आती है। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' प्रियंका ने जो फोटो शेयर की उसमें बुक की कवर फोटो पर श्रीदेवी सफेद रंग की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

२०२३ में बनी थी योजना

2023 में वेस्टलैंड बुक्स ने मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी के जीवन पर आधारित किताब लाने की घोषणा की थी। शुरूआत में इस किताब का नाम 'श्रीदेवीः द लाइफ ऑफ लेजेंड' था पर बाद में इसे 'एम्प्रेस' कर दिया गया। किताब को धीरज कुमार ने लिखा है और यह उनकी पहली किताब होगी। लेखक, कपूर परिवार के काफी नजदीकी हैं।

श्रीदेवी का निधन

- श्रीदेवी का निधन 28 फरवरी 2018 में हुआ था।
- उस समय वह दुबई में एक परिवारिक समारोह में शामिल होने गई थीं।
- इसी दौरान जिस होटल के कमरे में वह रुकी थीं, उसी के वॉशरूम के बाथटब में उनका शव मिला था।
- उनकी मौत का कारण बाथटब में आकस्मिक रूप से डूबना बताया जाता है।

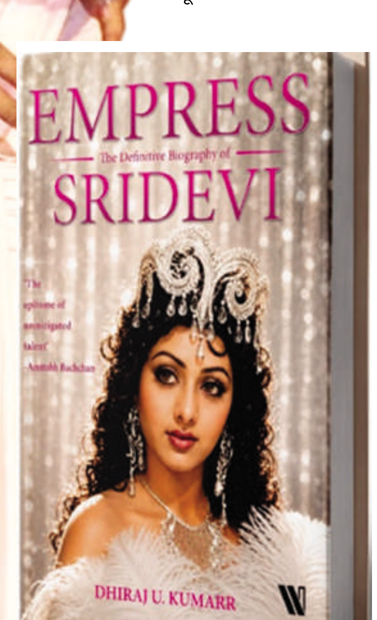

दुलकर सलमान की 'आई एम गेम' की रिलीज टली, अब 3 सितंबर को देख सकेंगे

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता दुलकर सलमान की आगामी फिल्म 'आई एम गेम' की रिलीज डेट को मेकर्स ने आगे बढ़ाने का फैसला किया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी। अभिनेता दुलकर सलमान ने इंस्टाग्राम पर एक स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें बताया गया कि रिलीज डेट को बदलने का फैसला फिल्म के लिए एक बड़े विन के साथ आया है। उन्होंने लिखा, "गेम बड़ा होता जा रहा है, रिलीज डेट आगे बढ़ती जा रही है। हम आप सभी के इंतजार को समझते हैं और देरी के लिए माफी चाहते हैं, लेकिन 'आई एम गेम' अब दुनियाभर में 3 सितंबर को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 20 अगस्त को रिलीज होनी थी।" उन्होंने लिखा, "आगामी रिलीज डेट फिल्म के लिए बड़े विजन के साथ आई है, क्योंकि 'आई एम गेम' सभी मार्केट में बड़े सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म अब एक साथ कई भाषाओं- मलयालम, तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में रिलीज होगी, जिससे यह एक्सपीरियंस पूरे देश और उससे आगे के दर्शकों तक पहुंचेगा।"

दुलकर सलमान नेलिखा, "यह फैसला 'आई एम गेम' को स्केल, रीच और थिएटर प्लेटफॉर्म देने के लिए किया गया है जिसका वह सच में हकदार है, ताकि अलग-अलग मार्केट के दर्शक इसे बड़े पर्दे पर एक्सपीरियंस कर सकें। इंतजार थोड़ा लंबा हो गया है, लेकिन गेम और बड़ा हो गया है।"

एक्शन थ्रिलर फिल्म 'आई एम गेम' मुख्य रूप से क्रिकेट सट्टेबाजी, जुए और कैसीनो की खतरनाक दुनिया पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए दुलकर सलमान मलयालम सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। फिल्म ने 11 महीने का लंबा शूटिंग शेड्यूल पूरा किया, जिसमें 156 दिन लगे और इसकी शूटिंग साउथ इंडिया में 100 से ज्यादा जगहों पर हुई।

फिल्म में एंटनी वर्गीस, मिस्किन, कयाडू लोहार, कथिर, पार्थ तिवारी और संयुक्ता विश्वनाथन जैसे कलाकार हैं। जेक्स बिजॉय ने इसका म्यूजिक दिया है, जबकि एक्शन सीक्वेंस को अंबरीव मास्टर्स ने कोरियोग्राफ किया है। फिल्म को वेफेयरर फिल्म्स के तहत दुलकर सलमान और जोम वर्गीस ने प्रोड्यूस किया है।

'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश हुई थीं श्रिया सरन

फिल्म 'अवारापन' ने समय के साथ इस फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और आज इसे एक कल्ट फिल्म के तौर पर देखा जाता है। फिल्म में इमरान हाशमी, श्रिया सरन और मृणालिनी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब फिल्म के सीक्वल 'अवारापन 2' की रिलीज से पहले श्रिया सरन ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें साझा की हैं।

'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश थीं श्रिया सरन

श्रिया सरन ने पिंकविला से बातचीत में बताया, "जब फिल्म रिलीज हुई थी, तो हम सभी को इससे बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे लगता है कि यह फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। इसे कुछ अवॉर्ड शो में नॉमिनेशन भी मिला था, लेकिन उन्होंने मुझे इनवाइट तक नहीं किया।"
उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा था कि 'अवारापन' को दर्शक खूब पसंद करेंगे और फिल्म को सेलिब्रेट किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसकी वजह से वह काफी निराश हुई थीं।

आज भी फिल्म को मिल रहा है प्यार

श्रिया ने बताया कि फिल्म की रिलीज के कई साल बाद भी लोग उनसे मिलकर 'अवारापन' की तारीफ करते हैं। पहले उन्हें लगता था कि शायद लोग फिल्म के गानों की वजह से इसे पसंद करते हैं, क्योंकि फिल्म का म्यूजिक काफी पॉपुलर था और इमरान हाशमी की परफॉर्मेंस भी शानदार थी।
लेकिन अब श्रिया को लगता है कि लोगों को फिल्म की कहानी और उसकी भावनाओं ने जोड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही इंटेंस कहानी थी और दर्शकों ने इसे दिल से महसूस किया। यही वजह है कि करीब दो दशक बाद भी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है।

14 अगस्त को रिलीज होगी 'अवारापन 2'

- करीब दो दशक बाद 'अवारापन 2' सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।
- फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है।
- इसमें इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।
- 'अवारापन 2' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।
- फिल्म का मुकाबला सनी देओल की 'बंटवारा 1947' से होगा।

रिया का बड़ा खुलासा, 17 साल की उम्र में कमाती थी लाखों रुपये

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने करियर की शुरूआत बतौर एमटीवी वीडियो जॉकी की थी। उन्होंने कम उम्र में ही इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। वीडियो जॉकी के तौर पर रिया ने कई बड़े सेलिब्रिटीज का इंटरव्यू लिए। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और साल 2024 में अपना क्लोदिंग ब्रांड चैप्टर 2 भी शुरू किया।

17 साल की उम्र में कमाती थीं इतने रुपये

कॉमेडियन और कंटेंट क्रिएटर तनमय भट्ट के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान रिया ने अपनी वीडियो जॉकी की सैलरी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उस समय वीडियो जॉकी को काफी अच्छी सैलरी मिलती थी।
रिया ने कहा, "उस समय एक वीडियो जॉकी की अच्छी कमाई होती थी। मुझे लगता है कि मेरी आखिरी सैलरी 3 लाख थी। लेकिन मैं उस समय सिर्फ 17-18 साल की थी, इसलिए मुझे लगता था कि मैं बहुत अमीर हूं।"
उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने उस पैसे को अपने चेहरे की खूबसूरती पर खर्च कर दिया था। रिया ने कहा, "मैंने ये पैसे अपना चेहरा ठीक कराने में खर्च कर दिए।"
जब तनमय भट्ट ने मजाक में रिया से पूछा कि क्या उन्हें भी अपना चेहरा 'ठीक' करवाना चाहिए, तो रिया ने कहा कि सभी को ऐसा करवा लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में इस तरह की टेक्नोलॉजी काफी आगे बढ़ चुकी है।

'द ट्रेटर्स २' में नजर आएंगी रिया

- वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती जल्द ही रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' में नजर आने वाली हैं।
- शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं।
- इसमें कुल 21 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं।
- 'द ट्रेटर्स 2' का प्रीमियर 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर होगा।